Uturn Time 25 June 2026_Layout 2 24-06-2026 23:34 Page 1

गुस्ताखी माफ

नहीं बड़ा अपराध यह, कर सकते हम माफ।
लेकिन पानी दूध में, डाला करिए साफ।
डाला करिए साफ, साफ हो बर्तन-पॉटर।
सबसे अच्छा रहे, अगर हो मिनरल वॉटर।
कह साहिल कविराय, रास्ता ये ही बचता।
पूरा खालिस दूध, कहां अब हमको पचता।

- डॉ. राजेन्द्र साहिल

RNI NO PUNBIL/2014/59416 UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

VOL: 11 | ISSUE 168 | THURSDAY 25-06-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

15 अगस्त से सरपंचों को मिलेगी 10,000 रुपये की मासिक सैलरी: CM भगवंत मान

चंडीगढ़/यूटर्न/24 जून। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने बुधवार को घोषणा की कि राज्य के सभी सरपंचों को 15 अगस्त से 10,000 रुपये की मासिक सैलरी मिलेगी।

फेसबुक पोस्ट के जरिए यह घोषणा करते हुए उट ने कहा कि यह फैसला जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत करने और गाँव के मुखियाओं की सेवाओं को मान्यता देने के लिए लिया गया है। उन्होंने कहा, पंचायत लोकतंत्र का पहला कदम है। सरपंच अपने गाँवों के विकास और भलाई के लिए दिन-रात काम करते हैं और अपनी कोशिशों के लिए सैलरी पाने के हकदार हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कदम से सरपंचों को अपने परिवारों की बेहतर मदद करने में मदद मिलेगी और वे गाँव के विकास के लिए और भी बेहतर ढंग से काम कर पाएँगे। उन्होंने पोस्ट किया, ₹अगर गाँव तरक्की करेंगे, तो पंजाब तरक्की करेगा। यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब उट पिछले दो दिनों से बठिंडा ज़िले में 'सरपंच मिलनी' कार्यक्रम कर रहे हैं, ताकि चुने हुए गाँव के प्रतिनिधियों से बातचीत की जा सके और ग्रामीण विकास के मुद्दों पर चर्चा की जा सके। इससे पहले, पिछले साल 24 अप्रैल को 'राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस' पर, राज्य सरकार ने सरपंचों का मानदेय 1,200 रुपये से बढ़ाकर 2,000 रुपये प्रति माह कर दिया था।

रेल हादसे के मुआवजे में शामिल नहीं होगा इलाज का खर्च, हाईकोर्ट ने दिया अतिरिक्त भुगतान का आदेश

चंडीगढ़/यूटर्न/24 जून। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने रेल दुर्घटना पीड़ितों के अधिकारों से जुड़े एक अहम फैसले में कहा है कि रेलवे दुर्घटना मामलों में निर्धारित मुआवजा राशि को इलाज और भविष्य के चिकित्सा खर्च का विकल्प नहीं माना जा सकता। अदालत ने स्पष्ट किया कि गंभीर रूप से घायल यात्रियों को मुआवजे के अलावा वास्तविक चिकित्सा खर्च और आवश्यक भविष्य के उपचार का खर्च भी दिया जा सकता है। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस पंकज जैन की पीठ ने चंडीगढ़ निवासी सतनाम सिंह की अपील स्वीकार कर रेलवे को पहले दिए जा चुके चार लाख रुपये के मुआवजे के अतिरिक्त 1.20 लाख रुपये चिकित्सा खर्च तथा दो लाख रुपये कृत्रिम पैर लगवाने के लिए अदा करने का निर्देश दिया। अदालत के समक्ष पेश तथ्यों के अनुसार, दुर्घटना के समय सतनाम सिंह स्नातक का छात्र था और वैध टिकट के साथ यात्रा कर रहा था। हादसे में उसके दोनों पैर कट गए थे। रेलवे क्लेम्स ट्रिब्यूनल ने उसे रेलवे दुर्घटना (मुआवजा) नियम, 1990 के तहत चार लाख रुपये का मुआवजा दिया था, लेकिन उसने दलील दी कि उपचार पर एक लाख रुपये से अधिक खर्च हो चुका है और आगे भी कृत्रिम अंगों व चिकित्सा देखभाल पर बड़ी राशि खर्च होगी।

पीजीआई की प्राइवेट ग्रांट व्यवस्था पर उठे सवाल, सस्ती मेडिकल सामग्री को कई गुना महंगा दिखाने का आरोप

चंडीगढ़/यूटर्न/24 जून। पीजीआई चंडीगढ़ की प्राइवेट ग्रांट प्रणाली से जुड़े कथित वित्तीय अनियमितताओं के मामले में जांच के दौरान एक नया खुलासा सामने आया है। आरटीआई के माध्यम से प्राप्त दस्तावेजों के अनुसार, एक चिकित्सा उपयोग की वस्तु की कीमत वास्तविक मूल्य से कई गुना अधिक दर्शाकर उसका भुगतान करवाया गया।

दस्तावेजों के मुताबिक संबंधित उत्पाद की वास्तविक कीमत 38 रुपये थी, जबकि उस पर कथित तौर पर नया मूल्य टैग लगाकर कीमत 410 रुपये दर्शाई गई। आरोप है कि इसी बढ़ी हुई कीमत के आधार पर बिल तैयार किए गए और भुगतान भी किया गया। इस खुलासे के बाद अस्पताल की खरीद और बिलिंग प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो गए हैं।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि उत्पाद की कीमत में लगभग दस गुना तक वृद्धि दिखाई गई। मामला उन फंडों से जुड़ा बताया जा रहा है, जिनका उपयोग आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों के इलाज और चिकित्सा सहायता के लिए किया जाता है। ऐसे में सहायता राशि के उपयोग को लेकर पारदर्शिता और जवाबदेही पर चर्चा तेज हो गई है।

सूत्रों के अनुसार जांच एजेंसियां अब यह भी पता लगाने में जुटी हैं कि क्या अन्य दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की खरीद में भी इसी तरह मूल्य बढ़ाकर भुगतान करवाया गया। इसके लिए पुराने बिलों, खरीद रिकॉर्ड और भुगतान संबंधी दस्तावेजों की जांच की जा रही है।

अधिकारियों का कहना है कि मामले की विस्तृत पड़ताल जारी है और सभी संबंधित रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। यदि जांच में वित्तीय गड़बड़ी या नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होती है तो जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

इस बीच, स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों ने सरकारी और दानदाताओं की सहायता राशि के उपयोग में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया है, ताकि मरीजों के हितों से किसी प्रकार का समझौता न हो।

फर्जी जमानत आदेश दिखाकर लाखों की ठगी के आरोप में वकील को राहत नहीं, हाईकोर्ट ने खारिज की अग्रिम जमानत

चंडीगढ़/यूटर्न/24 जून। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने जाली जमानत आदेश तैयार कर लाखों रुपये की कथित ठगी करने के आरोपों का सामना कर रहे एक अधिवक्ता की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। अदालत ने कहा कि अधिवक्ता होना किसी व्यक्ति को कानून से ऊपर नहीं बनाता और न्यायिक दस्तावेजों की कथित जालसाजी बेहद गंभीर मामला है। जस्टिस दीपक गुप्ता की पीठ ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया कि अग्रिम जमानत पर विचार करते समय आरोपी का पेशा नहीं, बल्कि आरोपों की गंभीरता, उपलब्ध साक्ष्य और जांच की आवश्यकता अधिक महत्वपूर्ण होती है। अदालत ने कहा कि यदि न्यायिक आदेशों की फजीवाड़े से जुड़े आरोप सही साबित होते हैं तो यह न्यायिक व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सीधा हमला होगा।

मामले के अनुसार, सेक्टर-39 थाना पुलिस ने 13 मई 2026 को दर्ज एफआईआर में आरोप लगाया कि शिकायतकर्ताओं ने जेल में बंद एक रिश्तेदार की जमानत करवाने के लिए आरोपी वकील से संपर्क किया था। आरोप है कि वकील ने अदालतों में प्रभाव होने का दावा करते हुए जमानत दिलाने का भरोसा दिया और इसके बदले करीब 10.92 लाख रुपये बैंक ट्रांसफर और नकद के रूप में हासिल कर लिए। शिकायतकर्ताओं के मुताबिक बाद में उन्हें हाईकोर्ट का एक कथित जमानत आदेश भी दिखाया गया, लेकिन जांच में पता चला कि संबंधित मामले में कोई जमानत याचिका ही दाखिल नहीं की गई थी। पुलिस जांच के दौरान कथित आदेश की प्रामाणिकता पर भी सवाल उठे। याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई कि मामला पेशेवर फीस के भुगतान से जुड़ा विवाद है, जिसे आपराधिक रंग दिया गया है। वहीं प्रशासन ने अदालत को बताया कि बैंक रिकॉर्ड और अन्य दस्तावेजी साक्ष्य आरोपों की पुष्टि करते हैं तथा इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की फोरेंसिक जांच अभी जारी है।

हाईकोर्ट ने माना कि प्रथम दृष्टया रिकॉर्ड पर उपलब्ध सामग्री शिकायतकर्ताओं से बड़ी रकम लिए जाने और उन्हें गुमराह किए जाने की ओर संकेत करती है। अदालत ने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच और तथ्यों की पड़ताल के लिए आरोपी से हिरासत में पूछताछ आवश्यक प्रतीत होती है। इसी आधार पर अदालत ने अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया।

किडनी हेल्थ पर बड़ा खुलासा: डायलिसिस, दवाइयाँ और स्टोन को लेकर डॉक्टर का साफ संदेश : डॉ. ट्विंकल

आज की तेज-तर्रार लाइफस्टाइल में किडनी से जुड़ी बीमारियाँ धीरे-धीरे बढ़ रही हैं — और सबसे बड़ी समस्या यह है कि लोग इन्हें तब तक गंभीर नहीं मानते जब तक हालत बिगड़ न जाए। इसी मुद्दे पर हमने किडनी रोग विशेषज्ञ डॉ. ट्विंकल से खास बातचीत की, जिसमें उन्होंने डायलिसिस, स्टोन, दवाइयों और लाइफस्टाइल से जुड़ी कई जरूरी और आंख खोल देने वाली बातें बताई।

डॉक्टर बनने का सफर कैसे शुरू हुआ? इस फील्ड को ही क्यों चुना?

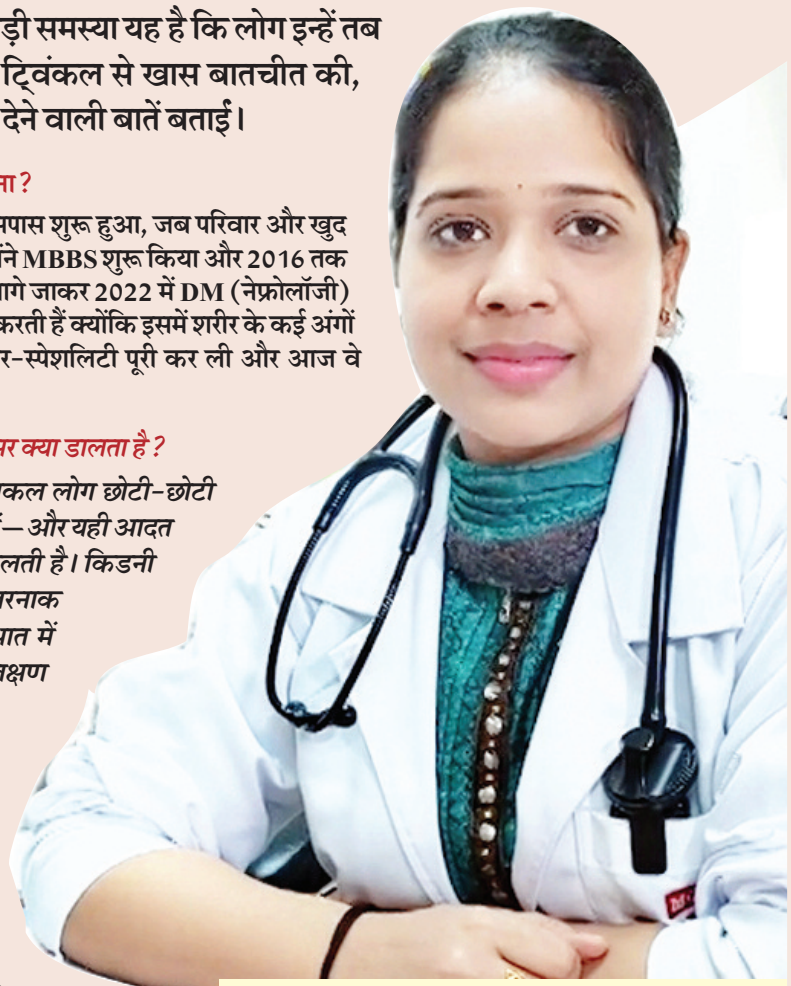

डॉ. ट्विंकल बताती हैं कि डॉक्टर बनने का सपना 2009 के आसपास शुरू हुआ, जब परिवार और खुद उनकी इच्छा थी कि घर में एक डॉक्टर होना चाहिए। 2011 में उन्होंने MBBS शुरू किया और 2016 तक इसे पूरा किया। इसके बाद उन्होंने MD इन मेडिसिन किया और आगे जाकर 2022 में DM (नेफ्रोलॉजी) की पढ़ाई शुरू की। किडनी की बीमारियाँ उन्हें इसलिए आकर्षित करती हैं क्योंकि इसमें शरीर के कई अंगों की जटिल समस्याएँ जुड़ी होती हैं। 2026 में उन्होंने अपनी सुपर-स्पेशलिटी पूरी कर ली और आज वे ओसवाल अस्पताल में OPD कर रही हैं।

क्या डायलिसिस शुरू होने के बाद हमेशा चलती रहती है?

डॉक्टर के अनुसार, किडनी फेल होने के कई कारण होते हैं, जिनमें सबसे आम हैं डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर। लोगों में सबसे बड़ी गलतफहमी यही है कि डायलिसिस शुरू मतलब जिंदगी खत्म — लेकिन ऐसा नहीं है।
कुछ मामलों में डायलिसिस टेम्परारी होती है कुछ मामलों में यह लॉन्ग टर्म हो जाती है अगर मरीज सही तरीके से इलाज और डायलिसिस फॉलो करे, तो वह अच्छी जिंदगी जी सकता है। और कई मामलों में किडनी ट्रांसप्लांट सबसे बेहतर विकल्प होता है।

किडनी पर सबसे ज्यादा असर क्या डालता है?

डॉक्टर बताती हैं कि आजकल लोग छोटी-छोटी बातों पर पेनकिलर ले लेते हैं — और यही आदत किडनी पर सीधा असर डालती है। किडनी की बीमारी की सबसे खतरनाक बात यह है कि यह शुरूआत में चुप रहती है, कोई बड़ा लक्षण नहीं दिखता।

किडनी खराब होने के शुरूआती लक्षण क्या हैं?

पैरों में सूजन आंखों के नीचे सूजन गहरे रंग का पेशाब लगातार थकान खून की कमी (एनीमिया)
डॉक्टर का साफ कहना है — सूजन को कभी हल्के में न लें, यह किडनी का पहला अलार्म हो सकता है।

किडनी की देखभाल कैसे करें और कौन-से टेस्ट जरूरी हैं?

2-3 लीटर पानी रोज (अगर डॉक्टर ने मना न किया हो)
डायबिटीज और BP वाले मरीज हर 6 महीने में जांच कराएं

जरूरी टेस्ट:

- KFT (Creatinine, Electrolytes)
- Urine Test
- UACR / UPCR

डॉक्टर का संदेश साफ है — जिम वाले प्रोटीन शेक और बिना जरूरत सप्लीमेंट किडनी पर दबाव डाल सकते हैं।

क्या मल्टीविटामिन लेना जरूरी है?

डॉक्टर कहती हैं — बिना टेस्ट के कोई भी सप्लीमेंट लेना सही नहीं है। पहले शरीर की जरूरत समझें, फिर ही दवा लें।

निष्कर्ष: किडनी की बीमारियाँ धीरे-धीरे बढ़ती हैं, इसलिए जागरूक रहना ही सबसे बड़ा बचाव है। सही लाइफस्टाइल, पानी और समय पर टेस्ट — यही किडनी को लंबे समय तक हेल्दी रखने की असली कुंजी है।

किडनी स्टोन क्यों बनते हैं?

किडनी स्टोन आजकल तेजी से बढ़ रही समस्या है। कारण हैं:

- कम पानी पीना और डिहाइड्रेशन
- गर्म मौसम में लापरवाही
- जंक फूड और हाई शुगर डाइट
- बिना सलाह कैल्शियम/विटामिन D लेना

बच्चों में किडनी की समस्याएँ कैसी होती हैं?

जन्म से एक किडनी होना
बार-बार यूरिन इंफेक्शन
रिफ्लक्स की समस्या
नेफ्रोटिक सिंड्रोम (Minimal Change Disease)
समय पर पहचान और इलाज बेहद जरूरी है।

वैश्विक मंच पर लुधियाना साइकिल उद्योग की दस्तक

फीको का 22 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल यूरो बाइक 2026 के लिए रवाना

लुधियाना/यूटर्न/24 जून। फेडरेशन ऑफ इंडस्ट्रियल एंड कमर्शियल ऑर्गेनाइजेशन (फीको) का 22 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल यूरोबाइक 2026 में भाग लेने के लिए जर्मनी के फ्रैंकफर्ट रवाना हुआ। यह अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी 24 से 27 जून 2026 तक आयोजित की जा रही है, जिसमें साइकिल, ई-बाइक, साइकिल कलपुर्जों और सतत गतिशीलता से जुड़ी नवीनतम तकनीकों का प्रदर्शन किया जाएगा।

प्रतिनिधिमंडल को जिला उद्योग केंद्र, लुधियाना के जनरल मैनेजर एस.एस. रैखी ने फीको चेयरमैन के.के. सेठ के साथ हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर फीको अध्यक्ष गुरमीत सिंह कुलार, अवतार सिंह भोगल सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व राजेश सेठ करेंगे।

फीको अध्यक्ष गुरमीत सिंह कुलार ने कहा कि यूरोबाइक वैश्विक स्तर का प्रतिष्ठित मंच है, जहां उद्योग विशेषज्ञ, निर्माता, डीलर और तकनीकी प्रदाता एकत्रित होते हैं। इससे लुधियाना के साइकिल उद्योग को नई तकनीकों, बाजार रुझानों और निर्यात अवसरों को समझने का मौका मिलेगा।

जर्मनी यात्रा के दौरान प्रतिनिधिमंडल नीदरलैंड्स स्थित हॉलैंड मैकेनिक्स बी.वि. के आधुनिक विनिर्माण संयंत्र का भी दौरा करेगा। वहां सदस्य ऑटोमेशन, गुणवत्ता नियंत्रण और उन्नत उत्पादन तकनीकों की जानकारी हासिल करेंगे।

Uturn Time 25 June 2026_Layout 2 24-06-2026 23:34 Page 3

पेज 06 आज निर्जला एकादशी पर श्री दंडी स्वामी मंदिर...

पूर्व मैनेजर ने बैलेंस शीट से छेड़छाड़ कर किया था करोड़ों का गबन, अफसरों के किए फर्जी हस्ताक्षर, सोसायटी का सामान भी चुराया

दोराहा कोऑपरेटिव सोसायटी में करोड़ों के घोटाले में एफएसएल रिपोर्ट से हुए अहम खुलासे

लुधियाना/यूटर्न/24 जून। दोराहा कोऑपरेटिव मार्केटिंग सोसायटी लिमिटेड में सामने आए करोड़ों रुपए के चर्चित घोटाले की जांच में फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल), मोहाली की रिपोर्ट ने कई अहम खुलासे किए हैं। चर्चा है कि जांच रिपोर्ट में पुष्टि हुई है कि सोसायटी के पूर्व मैनेजर साधु सिंह ने कथित तौर पर वित्तीय अनियमितताओं को छिपाने के लिए बैलेंस शीट में छेड़छाड़ की और ऑडिट विभाग की इंस्पेक्टर और सोसायटी के एक कर्मचारी के फर्जी हस्ताक्षर एवं जाली मुहरों का इस्तेमाल किया। एफएसएल रिपोर्ट सामने आने के बाद पुलिस ने वर्ष 2023 में दर्ज किए मामले में जालसाजी से संबंधित नई धाराएं जोड़ दी हैं और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की जा रही है। पुलिस का मानना है कि करीब एक करोड़ रुपये की वित्तीय गड़बड़ियों को सुनियोजित ढंग से अंजाम दिया गया।

आरोपी पूर्व मैनेजर साधु सिंह

सेल्समैन ने लगाए गंभीर आरोप

एफएसएल रिपोर्ट के बाद सोसायटी के सेल्समैन जसदेव सिंह भी सामने आए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि तत्कालीन मैनेजर साधु सिंह ने उनके तथा ऑडिट विभाग की इंस्पेक्टर अदिति के फर्जी हस्ताक्षर और जाली मुहर तैयार कर बैलेंस शीट बनाई थी, जिसका खुलासा बाद में ऑडिट जांच के दौरान हुआ।

जांच रिपोर्ट में यह हुए खुलासे

ऑडिट विभाग की वर्ष 2021-22 की विशेष जांच रिपोर्ट के अनुसार सोसायटी में कुल 1,00,68,081.23 रुपये की वित्तीय अनियमितताएं सामने आई थीं। रिपोर्ट मुताबिक आरोपी मैनेजर पर 9,13,100 रुपये के प्रत्यक्ष गबन का आरोप है, जबकि सोसायटी फंड की 49,27,514.73 रुपए की राशि के कथित दुरुपयोग के आरोप है। इसके अलावा रिकॉर्ड और बैलेंस शीट में 42,27,466.50 रुपये का स्पष्ट हिसाब नहीं है। जांच में यह आरोप भी सामने आया कि आरोपी ने सोसायटी कार्यालय से दो एयर कंडीशनर और एक अलमारी को सोसायटी के टेंपो में लादकर कथित तौर पर अपने कब्जे में ले लिया। इसके अतिरिक्त सोसायटी की जमीन पर बने मैहता अस्पताल की छत पर पड़ा कीमती लोहे का स्क्रैप भी चोरी कर ले जाने का आरोप है।

फरवरी महीने में किया बर्खास्त

घोटाले और सोसायटी के सामान की चोरी का मामला सामने आने के बाद वर्ष 2023 में दोराहा थाने में साधु सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट से जमानत मिल गई थी। गबन और धोखाधड़ी के गंभीर आरोपों के मद्देनजर सहकारिता विभाग ने 20 फरवरी 2026 को साधु सिंह को सेवा से बर्खास्त कर दिया।

दशमलव की स्थिति बदलकर किया गबन

बताया जाता है कि साधु सिंह वर्ष 2005 से सोसायटी में मैनेजर के पद पर कार्यरत था और राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित सोसायटी की बहुमूल्य संपत्तियों से करोड़ों रुपये का किराया प्राप्त होता है। पूरा मामला तब उजागर हुआ जब ऑडिट विभाग ने बैलेंस शीट की बारीकी से जांच की। जांच के दौरान पाया गया कि ग्राहकों से प्राप्त होने वाली वास्तविक राशि 39,93,933.03 रुपये थी, लेकिन रिकॉर्ड में इसे 3,99,393.30 रुपये दर्शाया गया। मात्र दशमलव की स्थिति बदलने से करीब 35.94 लाख रुपये का अंतर सामने आया। इसके बाद जब पूरे रिकॉर्ड की जांच हुई तो पूरा मामला सामने आया।

लुधियाना निगम की एफएंडसीसी कमेटी के मेंबर बने दो आप पार्षद

लुधियाना/यूटर्न/24 जून। लुधियाना नगर निगम की फाइनेंस एंड कॉन्ट्रैक्ट कमेटी (एएंडसीसी) के नए मेंबरों की नियुक्ति कर गठन पूरा कर लिया गया है। एफएंडसीसी नगर निगम की सबसे पावरफुल कमेटी होती है जिसमें अब विधायाकों के परिजनों का बहुमत मिला है। जिसके चलते हल्का आत्म नगर से विधायक कुलवंत सिंह सिद्धू के बेटे और पार्षद युवराज सिंह सिद्धू और हल्का नॉर्थ विधायक चौधरी मदन लाल बग्गा के बेटे पार्षद अमन बग्गा को मेंबर नियुक्त किया गया है। मेयर इंद्रजीत कौर ने इन 2 नए सदस्यों की नियुक्ति की है। बता दें कि इससे पहले हल्का सेंट्रल से विधायक अशोक पराशर पप्पी के भाई पार्षद राकेश पराशर को सीनियर डिप्टी मेयर बनाया गया था। वहीं डिप्टी मेयर प्रिंस जौहर विधायक कुलवंत सिद्धू के करीबी माने जाते हैं। इस एफएंडसीसी कमेटी में कुल 6 सदस्य होते हैं। जिसमें निगम कमिश्नर, मेयर, सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर चार मेंबर होते हैं, इसके अलावा दो नए मेंबर नियुक्त किए जाने थे। निगम अफसरों व लीडरों का दावा है कि उनकी तरफ से मार्च 2026 को हुई हाउस की मीटिंग में दो नामों की नॉमिनेशन संबंधी मत्ता पास करवाया गया था। नॉमिनेशन में दोनों पार्षदों के नाम सामने आए। जिसके बाद उनकी नियुक्ति की गई।

प्रॉपर्टी डीलर के घर बाहर बदमाशों ने की अंधाधुंध फायरिंग, वाहन भी तोड़े

लुधियाना/यूटर्न/24 जून। शिमलापुरी के गुरु गोबिंद सिंह नगर में एक प्रॉपर्टी डीलर के घर पर अज्ञात हमलावरों द्वारा ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी गई। जिसके बाद ईंटें मारकर दो वाहनों की तोड़फोड़ भी की। डीलर मुताबिक हमलावरों ने करीब 10 से 12 राउंड गोलियां चलाई। घटना के समय परिवार घर के अंदर सो रहा था। हमले के बाद हमलावर वहां से फरार हो गए। थाना शिमलापुरी पुलिस ने गुरु गोबिंद सिंह नगर के रहने वाले रमेश कुमार चार अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में रमेश कुमार ने बताया कि वह प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करता है।

सीजीएसटी कमिश्नरेट द्वारा जीएसटी दिवस का आयोजन, उद्योग जगत ने उठाईं अहम मांगें

लुधियाना/यूटर्न/24 जून। केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) कमिश्नरेट, लुधियाना द्वारा जीएसटी दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधियों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम व्यापार और कर अधिकारियों के बीच संवाद का महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ, जहां जीएसटी व्यवस्था के तहत उद्योगों के सामने आ रही व्यावहारिक समस्याओं पर सार्थक चर्चा की गई। उद्योग जगत की ओर से इस संवाद का नेतृत्व एसोसिएशन ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्रियल अंडरटेकिंग्स (एटीआईयू) के अध्यक्ष पंकज शर्मा ने किया। उन्होंने विशेष रूप से मैन्युफैक्चरिंग और ट्रेडिंग सेक्टर से जुड़ी कई गंभीर समस्याओं को उठाया। उन्होंने बताया कि खासकर मेल्टिंग स्क्रैप सेक्टर में फर्जी बिलिंग की समस्या लगातार बढ़ रही है। पंकज शर्मा ने जीएसटी रिफंड में हो रही देरी का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि रिफंड समय पर न मिलने से उद्योगों की कार्यशील पूंजी पर दबाव पड़ता है, जिससे उनके सुचारू संचालन में बाधा आती है। इसके अलावा, उन्होंने 180 दिनों से अधिक भुगतान में देरी पर लगने वाले दंडात्मक प्रावधानों पर भी चिंता जताई। कार्यक्रम में सीजीएसटी कमिश्नर सुग्रीव मीणा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर कई प्रमुख उद्योग प्रतिनिधि भी मौजूद रहे, जिनमें सीए राजेश के. धर्मा (प्रेसिडेंट, इंडायरेक्ट टैक्सेस), संजय गुप्ता (फाइनेंस सेक्रेटरी, एटीआईयू), देव गुप्ता (जनरल सेक्रेटरी, फर्नेस एसोसिएशन), गर्ग (पैट्रन, एटीआईयू) तथा महिंदर गुप्ता (प्रेसिडेंट, फर्नेस एसोसिएशन पंजाब) शामिल थे।

Uturn Time 25 June 2026_Layout 2 24-06-2026 23:34 Page 4

विधानसभा चुनावों की पिच पर रवनीत बिट्टू बैटिंग करने के लिए तैयार

अशोक सहगल

लुधियाना/यूटर्न/24 जून। आगामी विधानसभा चुनाव में रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू जिनका राज्यसभा का कार्यकाल समाप्त हो चुका है आगामी विधानसभा चुनावो में बैटिंग करने के लिए अपने आप को तैयार कर रहे हैं। इस पिच को समतल करने के लिए जहां एक और पार्टी उन्हें प्रमोट कर रही है वही वह रेल राज्य मंत्री के रुतबे के साथ जनता के काम करने में जुट गए हैं इसी कड़ी में आज वह रोड ओवरब्रिज की सौगात लेकर जांलधर पहुंचे। गुरु नानक पुरा और बस स्टैंड फाटक पर 112 करोड़ की लागत से आरओबी बनाने का नींव पत्थर रखा। इस अवसर पर उन्होंने संकेत देते हुए दावा किया कि केंद्र के पास फंड की कोई कमी नहीं है और एक साल के भीतर इस काम को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं, आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने पर बिट्टू ने साफ किया कि अगर पार्टी चाहेगी, तो वह चुनाव मैदान में उतरने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

चुनावी पिच को समतल बनाने के लिए काम शुरू

चुनावो की पिच को समतल करने का काम शुरू धार्मिक सजा की कबुल...राज्य के एससी कमिशन द्वारा केंद्रीय राज्यमंत्री रवनीत बिट्टू को धार्मिक सजा सुनाई गई है। वह चंडीगढ़ में रउ कमीशन के सामने पेश हुए थे। इसके बाद आयोग ने उनका पक्ष सुनने के बाद राज्यमंत्री को 4 जगहों पर माथा टेकने को कहा। रउ आयोग ने यह कार्रवाई पुलिस पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में की है। इस मामले में जानकारी देते हुए रवनीत बिट्टू ने कहा कि उक्त मामले में मैंने माफी मांगी, वीडियो डिलीट किया मेरे साथ बदतमीजी की गई बिट्टू के अनुसार, वह संगरूर पहुंचे, लेकिन वहां तैनात जहां एक SHO रैंक के अधिकारी ने उनकी गाड़ी के सामने वाहन लगाकर रास्ता रोक दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस दौरान उनके साथ बदतमीजी की गई और कुछ ऐसे शब्द कहे गए, जिनसे वह आहत हुए।

इन चार स्थानों पर होंगे नतमस्तक...बिट्टू जिन 4 स्थानों पर नतमस्तक होंगे। इनमें श्री दरबार साहिब, फिल्लौर स्थित डेरा ब्रह्मदास, भगवान वाल्मीकि जी का डेरा (रामतीर्थ, अमृतसर) और डेरा बल्लां में माथा टेककर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे।

हाई कमान को विधानसभा चुनाव लड़ने की इच्छा कर चुके हैं व्यक्त

बिट्टू ने कहा, इस बार मैंने खुद पार्टी हाईकमान से चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है। अगर पार्टी चाहेगी और मुझे जिम्मेदारी देगी, तो मैं निश्चित रूप से चुनाव लड़ूंगा।

निकाय चुनाव के दौरान हुआ था विवाद...26 मई को पंजाब निकाय चुनाव के मतदान के दिन धूरी (संगरूर) में भाजपा नेता ओंकार सिंह को पुलिस ने हिरासत में ले लिया था। उन्हें छुड़ाने और धूरी में प्रवेश करने की कोशिश के दौरान केंद्रीय राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को पुलिस ने रोक दिया, जिसके बाद उनकी संगरूर के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से तीखी बहस हुई।

बिट्टू ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी...इस संबंधी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। इसके बाद पंजाब रउ कमीशन ने स्वत: संज्ञान लेते हुए बिट्टू को तलब कर लिया और संगरूर पुलिस से रिपोर्ट भी मांगी थी। हालांकि, बिट्टू ने अपने शब्दों के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांग ली थी।

1700 करोड़ के प्रोजेक्ट्स किये शुरू...केंद्रीय राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने बताया कि पूरे क्षेत्र में विकास को गति देने के लिए करीब 1700 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स के उद्घाटन किए गए हैं। नियमों के मुताबिक, जब किसी फाटक से रोज एक लाख से अधिक वाहन गुजरते हैं, तो वहां ब्रिज बनाने की मांग शुरू हो जाती है। इसी को देखते हुए अब इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू किया जा रहा है। आगामी 15 दिनों में इन प्रोजेक्ट्स पर काम शुरू हो जाएगा

निर्धारित अवधि में पूरा होगा काम, फंड की कमी नहीं...रवनीत बिट्टू ने आश्वस्त किया कि विकास कार्यों के लिए केंद्र सरकार के पास पैसे की कोई कमी नहीं है। इस प्रोजेक्ट को बरसात का मौसम शुरू होने से पहले ही धरातल पर शुरू कर दिया जाएगा। हालांकि, निर्माण कार्य के दौरान स्थानीय लोगों को थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन रेलवे की कोशिश है कि इसे एक साल के भीतर पूरा कर लिया जाए ताकि जनता को हमेशा के लिए बड़ी राहत मिल सके।

अवैध रेहड़ी-फड़ी और अतिक्रमण के खिलाफ नगर निगम की कार्रवाई, 67 चालान काटे

चंडीगढ़/यूटर्न/24 जून। नगर निगम चंडीगढ़ ने शहर में अवैध रेहड़ी-फड़ी और सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण के खिलाफ विशेष अभियान चलाते हुए बुधवार को 67 चालान जारी किए। निगम की प्रवर्तन शाखा (एनफोर्समेंट विंग) ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई कर सार्वजनिक मार्गों को अतिक्रमण मुक्त कराया। नगर निगम की टीमों ने सुखना लेक, रॉक गार्डन, सेक्टर-26 आउटर मंडी, रामदरबार फेज-2, मनीमाजरा सेक्टर-13, सेक्टर-23 और सेक्टर-15 में विशेष अभियान चलाया। इस दौरान बिना वैध लाइसेंस के कारोबार कर रहे रेहड़ी-फड़ी विक्रेताओं और सार्वजनिक स्थानों पर कब्जा करने वाले दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

अभियान के तहत सेक्टर-23 और सेक्टर-15 के पैदल मार्गों और कॉरिडोरों को अतिक्रमण मुक्त कराया गया, जिससे आम लोगों की आवाजाही सुगम हो सकी। नगर निगम की टीमों ने सार्वजनिक स्थलों और प्रमुख पर्यटन क्षेत्रों में अवैध वेंडिंग गतिविधियों पर भी सख्ती दिखाई। अधिकारियों के अनुसार, नगर निगम शहर में सार्वजनिक स्थानों को व्यवस्थित बनाए रखने, पैदल यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने और नगर निगम के नियमों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए लगातार अभियान चला रहा है। निगम ने स्पष्ट किया कि बाजारों, पर्यटन स्थलों और रिहायशी क्षेत्रों को अवैध कब्जों और अनधिकृत वेंडिंग से मुक्त रखने के लिए ऐसे अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेंगे।

मोहाली में पुल से लटका मिला युवक का शव, परिजनों ने जताई साजिशन हत्या की आशंका

मोहाली/यूटर्न/24 जून। सेक्टर-82 स्थित एक पुल के नीचे बुधवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक का शव फंदे से लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही सोहाना थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया। मामले को लेकर परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है, जबकि पुलिस फिलहाल सभी पहलुओं से जांच कर रही है। मृतक की पहचान चंडीगढ़ निवासी आदित्य के रूप में हुई है, जो एक निजी कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड के तौर पर कार्यरत था। सुबह राहगीरों ने पुल के नीचे शव लटका देखा और पुलिस को सूचना दी। परिजनों का आरोप है कि कुछ दिन पहले आदित्य का मोबाइल फोन चोरी हो गया था। इस संबंध में उसने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई थी और कुछ युवकों के नाम भी बताए थे। परिवार का दावा है कि शिकायत के बाद नामजद युवक उनके घर पहुंचे थे, जहां आदित्य के साथ उनका विवाद हुआ था। परिवार का कहना है कि इसी रंजिश के चलते आदित्य की हत्या की गई और बाद में मामले को आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को पुल से लटका दिया गया। उन्होंने पुलिस से मामले की गहन जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

वहीं सोहाना थाना प्रभारी सिमरजीत सिंह शेरगिल ने बताया कि घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। प्रारंभिक जांच में हत्या से जुड़े कोई ठोस साक्ष्य सामने नहीं आए हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस परिजनों के आरोपों, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच आगे बढ़ा रही है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही मौत के कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

री-इवेल्यूएशन में बढ़े अंक, अब फीस वापसी का इंतजार

चंडीगढ़/यूटर्न/24 जून। सीबीएसई 12वीं कक्षा के री-इवेल्यूएशन के परिणाम जारी होने के बाद शहर के कई विद्यार्थियों के अंक बढ़े हैं। इससे छात्रों और अभिभावकों में संतोष और राहत का माहौल है। हालांकि अब उनकी नजर बोर्ड की ओर से किए जाने वाले फीस रिफंड पर टिकी हुई है।

बोर्ड ने पहले ही स्पष्ट किया था कि जिन विद्यार्थियों के अंक पुनर्मूल्यांकन के बाद बढ़ेंगे, उनसे ली गई री-इवेल्यूएशन फीस वापस की जाएगी। ऐसे में अब परिवार यह जानना चाहते हैं कि रिफंड की प्रक्रिया कब शुरू होगी और इसके लिए कोई अलग आवेदन करना होगा या नहीं।

सीबीएसई ने अंक बढ़ने पर फीस लौटाने का किया था वादा, छात्र और अभिभावक रिफंड प्रक्रिया पर कर रहे अगली घोषणा का इंतजार

रिव्यू के बाद बढ़े अंक, अब रिफंड की उम्मीद

17 मई को पोस्ट रिजल्ट सुविधाओं को लेकर जारी नोटिस में सीबीएसई ने री-इवेल्यूएशन फीस को 100 रुपये प्रति प्रश्न से घटाकर 25 रुपये प्रति प्रश्न कर दिया था। साथ ही बोर्ड ने यह भी कहा था कि पुनर्मूल्यांकन के बाद यदि किसी छात्र के अंक बढ़ते हैं तो उससे ली गई फीस वापस की जाएगी। अब जब शहर के कई छात्रों के अंक बढ़ चुके हैं, तो फीस वापसी को लेकर चर्चा तेज हो गई है। अभिभावकों का कहना है कि बोर्ड को अपने फैसले पर जल्द अमल करना चाहिए।

अभिभावकों ने मांगी स्पष्टता

अभिभावकों का कहना है कि जिन छात्रों के अंक बढ़े हैं, उनकी फीस बिना अतिरिक्त प्रक्रिया के सीधे वापस की जानी चाहिए। एक अभिभावक ने कहा कि बच्चों के बेहतर परिणाम से खुशी जरूर मिली है, लेकिन अब सभी को बोर्ड की ओर से फीस वापसी की स्पष्ट जानकारी का इंतजार है। वहीं एक छात्र ने कहा कि री-इवेल्यूएशन के बाद रिजल्ट बेहतर हुआ है, लेकिन अब यह जानना जरूरी है कि रिफंड की प्रक्रिया कैसे और कब शुरू होगी। फिलहाल, सीबीएसई की ओर से फीस वापसी की समय-सीमा या प्रक्रिया को लेकर अलग से कोई सार्वजनिक सूचना जारी नहीं की गई है। ऐसे में छात्र और अभिभावक बोर्ड की अगली अधिसूचना का इंतजार कर रहे हैं।

क्या था बोर्ड का फैसला

- 17 मई को पोस्ट रिजल्ट नोटिस जारी किया गया
- री-इवेल्यूएशन फीस 100 से घटाकर 25 रुपये प्रति प्रश्न की गई
- अंक बढ़ने पर फीस वापस करने की घोषणा की गई

Uturn Time 25 June 2026_Layout 2 24-06-2026 23:34 Page 5

यूटर्न टाइम
The Good, Bad and Ugly of India

पेज 12 बिना इंजीनियरिंग डिग्री और टइअ के: कुणाल शाह...

रजिस्ट्रेशन से लेकर रूट तक, अमरनाथ यात्रा 2026 के बारे में श्रद्धालुओं को सब कुछ जानना चाहिए

चंडीगढ़/यूटर्न/24 जून। हर साल, जब हिमालय में गर्मी शुरू होती है, तो भारत की सबसे पवित्र और चुनौतीपूर्ण तीर्थयात्राओं में से एक, लाखों श्रद्धालुओं को जम्मू-कश्मीर की ओर आकर्षित करती है। पवित्र अमरनाथ गुफा की यात्रा, जहाँ प्राकृतिक रूप से बना बर्फ का शिवलिंग है, आस्था और भक्ति की परीक्षा है। 2026 के लिए, अधिकारियों ने बेहतर सुविधाओं, सख्त सुरक्षा उपायों और यात्रियों की भारी भीड़ को संभालने के लिए एक व्यवस्थित रजिस्ट्रेशन सिस्टम के साथ एक लंबी और बेहतर तैयारी वाली यात्रा की घोषणा की है।

रजिस्ट्रेशन कैसे करें:

ऑनलाइन: श्राइन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से

ऑफलाइन: पूरे भारत में 550 से अधिक निर्धारित बैंक शाखाओं में। अधिकृत बैंकों में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, ICICI बैंक, यस बैंक और एक्सिस बैंक शामिल हैं। रजिस्ट्रेशन 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर होगा, जो हर रूट के लिए दैनिक कोटे पर निर्भर करेगा। किसी खास यात्रा की तारीख के लिए बुकिंग सात दिन पहले बंद हो जाएगी, इसलिए आखिरी समय की योजना काम नहीं आ सकती है।

स्वास्थ्य, पात्रता और सुरक्षा

मुश्किल रास्तों और अधिक ऊंचाई को देखते हुए, सख्त मेडिकल नियम लागू हैं। यात्रा के लिए आयु सीमा 13 से 70 वर्ष के बीच है। यात्रियों को अधिकृत डॉक्टरों या मेडिकल संस्थानों से 8 अप्रैल 2026 के बाद जारी अनिवार्य स्वास्थ्य प्रमाण पत्र (उल्ठ) भी जमा करना होगा। आपका अंतिम यात्रा परमिट जारी करने से पहले स्वास्थ्य प्रमाण पत्र का सत्यापन किया जाएगा। रजिस्ट्रेशन के बाद, तीर्थयात्रियों को सिस्टम से बना 'यात्रा परमिट' मिलेगा। इस डॉक्यूमेंट में यात्रा की तारीख, रूट (बालटाल या पहलगाम) और एंट्री गेट का समय लिखा होगा।

सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए, हर यात्री को एक RFID कार्ड भी दिया जाएगा, जिससे अधिकारी रियल-टाइम में उनकी लोकेशन ट्रैक कर सकेंगे और इमरजेंसी के समय तुरंत मदद पहुंचा सकेंगे।

यहाँ अमरनाथ यात्रा २०१६ के बारे में यात्रियों को सब कुछ जानना चाहिए

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि की है कि यात्रा 3 जुलाई 2026 को शुरू होगी और 28 अगस्त 2026 को समाप्त होगी। यात्रा की कुल अवधि 57 दिन होगी, जिससे 2026 की तीर्थयात्रा पिछले साल की तुलना में काफी लंबी हो जाएगी। ज्येष्ठ पूर्णिमा (जून के अंत में) को होने वाली प्रथम पूजा से इसकी धार्मिक शुरूआत होगी। रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल 2026 को शुरू होगा और श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड के माध्यम से ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से किया जाएगा।

अमरनाथ गुफा तक जाने के रास्ते

तीर्थयात्री दो रास्तों में से कोई एक चुन सकते हैं:

पहलगाम रूट:
शुरूआती पॉइंट: पहलगाम
दूरी: लगभग 48 km
यह रास्ता लंबा है लेकिन चढ़ाई धीरे-धीरे होती है। पहली बार यात्रा करने वालों के लिए इसे ज्यादा सुरक्षित माना जाता है।

बालटाल रूट:
शुरूआती पॉइंट: बालटाल
दूरी: लगभग 14 km
यह रास्ता बहुत छोटा है लेकिन शारीरिक रूप से काफी मुश्किल है। अनुभवी ट्रेकर्स अक्सर इसे ही चुनते हैं।

२०१६ के लिए सुविधाएं और खास अपडेट

अधिकारियों ने यात्रा को आसान बनाने के लिए कई सुधार किए हैं:
बालटाल रूट पर गुफा तक बिजली और लाइटिंग की व्यवस्था
ट्रेकिंग के रास्तों पर बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर
टट्टू, पालकी और पोर्टर्स के लिए प्री-पेड बुकिंग सिस्टम
बालटाल, नुनवान, श्रीनगर और चंदरकोट में यात्री निवास में रहने की ज्यादा जगह इन सुधारों का मकसद तीर्थयात्रियों की परेशानी कम करना और सुरक्षा बढ़ाना है।

बीमा और सुरक्षा उपाय

सभी रजिस्टर्ड तीर्थयात्रियों को 10 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा कवर मिलेगा। इसके अलावा, यात्रा से पहले माउंटेन रेस्क्यू टीमें और डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स खास ट्रेनिंग ले रही हैं। सभी रूटों पर इमरजेंसी रिस्पॉन्स सिस्टम को मजबूत किया जा रहा है।

अमरनाथ यात्रा के लिए तैयारी जरूरी है। भक्तों के लिए जरूरी है कि वे अपनी पसंद की तारीख पक्की करने के लिए जल्दी बुकिंग करें और ज्यादा ऊंचाई पर ट्रेकिंग के लिए शारीरिक रूप से तैयार रहें। ज्यादा समय, बेहतर सुविधाओं और कड़े सुरक्षा नियमों के साथ, उम्मीद है कि 2026 की यात्रा में ज्यादा तीर्थयात्री आसानी से शामिल हो सकेंगे।

रवनीत बिट्टू पंजाब SC आयोग के सामने पेश हुए, बिना शर्त माफी मांगी

चंडीगढ़/यूटर्न/24 जून। केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू बुधवार को चंडीगढ़ में पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग के सामने पेश हुए और उन टिप्पणियों के लिए बिना शर्त माफी मांगी, जिन पर आयोग ने स्वतः संज्ञान लिया था।

आयोग के अध्यक्ष जसवीर सिंह गढ़ी ने कहा, आयोग ने मंत्री द्वारा कथित तौर पर जाति-सूचक शब्दों के इस्तेमाल का स्वतः संज्ञान लिया था। पहली सुनवाई 4 जून को हुई थी, जब बिट्टू के वकील पेश हुए और अपना पक्ष रखने के लिए समय मांगा, क्योंकि उन्होंने उन टिप्पणियों के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांग ली थी। इसके अनुसार, सुनवाई के लिए 15 जून की तारीख तय की गई थी।

हालाँकि, बिट्टू दिल्ली में बैठकों में व्यस्त थे और उन्होंने और समय मांगा था। अगली सुनवाई 25 जून के लिए तय की गई थी। माफी स्वीकार करने के बाद, आयोग ने बिट्टू से पंजाब के चार पवित्र स्थलों - फिल्लौर में डेरा बाबा ब्रह्म दास, डेरा सच खंड बल्लन, अमृतसर में भगवान वाल्मीकि तीर्थ स्थल (राम तीर्थ) और अमृतसर में श्री हरमंदिर साहिब - पर जाकर नमन करने और सेवा करने को कहा।

बीजेपी नेता ने कहा कि उन्होंने पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग के सामने माफी मांगी और इन पवित्र स्थलों पर जाकर सेवा करने पर सहमति जताई। यह मामला 26 मई को धुरी में हुई एक घटना से जुड़ा है, जहाँ बिट्टू की पुलिस अधिकारियों के साथ तीखी बहस हुई थी। वे बीजेपी नेता ओंकार सिंह की रिहाई की मांग कर रहे थे, जिन्हें नागरिक चुनावों के दौरान कथित तौर पर प्रचार करने के आरोप में हिरासत में लिया गया था।

बाइक सवार बदमाश ने महिला का छीना मोबाइल, रास्ते में असंतुलित होकर गिरा, लोगों ने की पिटाई

लुधियाना/यूटर्न/24 जून। ग्यासपुरा चौक में दिनदहाड़े ऑटो से उतर रही एक महिला से बाइक सवार युवक ने झपटमारी करके मोबाइल छीन लिया। झपटमारी के बाद युवक वहां से भाग निकला। लेकिन जल्दबाजी में वह असंतुलित हो गया और सामने से आ रही गाड़ी से टकराकर गिर गया। जिसके बाद लोगों ने उसे पकड़ लिया और जमकर पिटाई की। फिर उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। हरिराम ने बताया कि उसके नाती की तबीयत खराब थी। इसी कारण उसकी बेटी निशा उसे अस्पताल से दवा दिलवाने गई थी। दवा लेने के बाद जब वह ग्यासपुरा चौक पर ऑटो बदलने के लिए उतरी, तभी पीछे से बाइक पर आए एक युवक ने उसका मोबाइल फोन झपट लिया। मोबाइल छिनते ही निशा ने शोर मचा दिया। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत बाइक सवार का पीछा करना शुरू कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार भागने की कोशिश में आरोपी तेज रफ्तार से बाइक चला रहा था, लेकिन कुछ दूरी पर उसका संतुलन बिगड़ गया और बाइक सामने से आ रही एक पिकअप गाड़ी से टकरा गई।

पॉश इलाके की बदहाल सड़कें बनीं मुसीबत, मनीमाजरा सेक्टर-13 के लोग बोले- हादसे से पहले जागे प्रशासन

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/24 जून। शहर के पॉश इलाकों में शुमार मनीमाजरा सेक्टर-13 हाउसिंग कॉम्प्लेक्स (डुप्लेक्स एरिया) की टूटी सड़कें स्थानीय निवासियों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बनी हुई हैं। मुख्य सड़कों से लेकर अंदरूनी गलियों तक जगह-जगह गहरे गड्ढे और उखड़ी सड़कें लोगों की रोजमर्रा की आवाजाही को प्रभावित कर रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिक रहते हैं, जिन्हें खराब सड़कों पर चलने में सबसे ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के मौसम में स्थिति और गंभीर हो सकती है तथा हादसों का खतरा बढ़ गया है। मॉडर्न हाउसिंग कॉम्प्लेक्स की निवासी स्मिता बंसल ने कहा कि पॉश क्षेत्र होने के बावजूद सड़कें बदहाल हैं, जिससे महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को परेशानी उठानी पड़ रही है। वहीं आरडब्ल्यूए सचिव सरदार शाम सिंह ने बताया कि अंडरपास चौक के आसपास सड़कें बनने के बाद लोगों को उम्मीद थी कि डुप्लेक्स एरिया की सड़कें भी सुधारी जाएंगी, लेकिन अभी तक इस संबंध में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। निवासी अभिजीत सैनी के अनुसार, कई बार संबंधित विभागों के समक्ष समस्या उठाई जा चुकी है, लेकिन समाधान नहीं हुआ।

Uturn Time 25 June 2026_Layout 2 24-06-2026 23:34 Page 6

राजनेता चीमा अपनी ही साजिश में फंसे, खन्ना पुलिस की जांच में फायरिंग का केस निकला झूठा, हुआ फरार

खन्ना/यूटर्न/24 जून। खन्ना पुलिस ने 'वारिस पंजाब दे' के वरिष्ठ नेता जसवंत सिंह चीमा और उसके साथी लाडी राठौर (निवासी लुधियाना) के खिलाफ एक बड़ी और सख्त कानूनी कार्रवाई की है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ रंगदारी, धोखाधड़ी और पुलिस को गुमराह कर झूठी शिकायत दर्ज करवाने के गंभीर आरोपों के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लाडी राठौर को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि मुख्य आरोपी जसवंत सिंह चीमा गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार चल रहा है। पुलिस उसकी तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है।

अकाली नेता जसवंत सिंह चीमा

क्या था पूरा मामला और कथित फायरिंग की कहानी?...एसएसपी डॉ. दर्पण आहलूवालिया ने खुलासा करते हुए बताया कि यह घटनाक्रम जसवंत सिंह चीमा द्वारा 25 जनवरी को थाना दोराहा में दर्ज कराई शिकायत से जुड़ा है। इसमें चीमा ने दावा किया था कि 24 जनवरी की रात जब वह अपनी इनोवा कार में गुरथली पुल के पास से गुजर रहा था, तब बाइक सवार दो अज्ञात युवकों ने उसे जान से मारने की नीयत से उस पर गोलियां चलाईं। चीमा ने इस कथित हमले के लिए जालंधर निवासी गुनीत भाटिया और चंदन भनोट को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया था।

आज निर्जला एकादशी पर श्री दंडी स्वामी मंदिर में लगेगी ठंडे मीठे जल की विशाल छबील

1962 से चली आ रही सेवा परंपरा का निर्वहन, श्रद्धालुओं को पूरे दिन पिलाया जाएगा शीतल जल

लुधियाना/यूटर्न/24 जून। श्री सिद्ध पीठ श्री दंडी स्वामी मंदिर, सिविल लाइंस में श्री दंडी स्वामी महाराज की असीम कृपा एवं पंडित जगदीश चंद्र कोमल के मार्गदर्शन में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर ठंडे मीठे जल की विशाल छबील लगाई जाएगी।

यह छबील पंडित राज कुमार शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की जा रही है। पंडित राज कुमार शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि वीरवार सुबह 9 बजे से शुरू होकर रात्रि 9:30 बजे तक श्रद्धालुओं और राहगीरों के लिए

ठंडे मीठे जल की सेवा निरंतर जारी रहेगी।

छबील की शुरूआत श्री दंडी स्वामी महाराज को भोग अर्पित करने के उपरांत की जाएगी।उन्होंने बताया कि श्री दंडी स्वामी महाराज के आशीर्वाद से मंदिर में वर्ष 1962 से निर्जला एकादशी के अवसर पर छबील लगाने की पावन परंपरा निरंतर निभाई जा रही है। उनके पिता को स्वयं महाराज जी द्वारा यह आज्ञा प्राप्त हुई थी कि निर्जला एकादशी के दिन प्यासों को जल पिलाने का विशेष पुण्य और आध्यात्मिक लाभ प्राप्त होता है।

उसी आदेश और सेवा भावना को आगे बढ़ाते हुए यह परंपरा आज भी श्रद्धा और समर्पण के साथ जारी है।प. शर्मा जी ने समस्त श्रद्धालुओं से इस पुण्य सेवा में शामिल होकर महाराज जी का आशीर्वाद प्राप्त करने तथा मानव सेवा के इस महान कार्य में सहयोग देने की अपील की है।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

क्या शादी के बाद पत्नी को अपने माता-पिता की देखभाल का अधिकार और जिम्मेदारी रहती है?

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

समाज में लंबे समय तक यह धारणा रही है कि विवाह के बाद बेटी केवल अपने ससुराल की जिम्मेदारियों तक सीमित हो जाती है। लेकिन कानून इस विषय को अलग दृष्टिकोण से देखता है।

विवाह के बाद भी महिला अपने माता-पिता की संतान रहती है। उसके अधिकार और पारिवारिक संबंध विवाह के कारण समाप्त नहीं हो जाते।

यदि माता-पिता वृद्ध हैं, आर्थिक रूप से कमजोर हैं या देखभाल के जरूरतमंद हैं, तो बेटी की भी उनके प्रति जिम्मेदारी हो सकती है। कानून बेटा और बेटी के बीच इस संबंध में कोई भेदभाव नहीं करता।

Maintenance and Welfare of Parents and Senior Citizens Act के तहत जरूरतमंद माता-पिता अपने बेटे या बेटी—दोनों से भरण-पोषण (Maintenance) की मांग कर सकते हैं।

इसी प्रकार, बेटी को अपने माता-पिता से मिलने, उनकी देखभाल करने, चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने और अन्य पारिवारिक दायित्व निभाने का पूरा अधिकार है।

कई वैवाहिक विवादों में यह मुद्दा भी सामने आता है कि पत्नी अपने माता-पिता की कितनी सहायता कर सकती है या उनके साथ कितना समय बिता सकती है। ऐसे मामलों में अदालतें सामान्यत: संतुलित और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाती हैं। आज के समय में कानून यह स्पष्ट रूप से मानता है कि माता-पिता की देखभाल केवल बेटे की जिम्मेदारी नहीं है। बेटी भी समान रूप से अपने माता-पिता के प्रति उत्तरदायी हो सकती है।

निष्कर्ष: शादी के बाद भी बेटी के अपने माता-पिता के प्रति अधिकार और जिम्मेदारियां बनी रहती हैं। कानून माता-पिता की देखभाल के मामले में बेटे और बेटी को समान दृष्टि से देखता है।

कृषि भवन में कर्मचारियों ने लगाई मीठे पानी और हलवे की छबील

कपिल नागपाल

पंचकूला/यूटर्न/24 जून। भीषण गर्मी के बीच कृषि भवन में सेवा और मानवता का सुंदर संगम देखने को मिला। कृषि भवन के महिला और पुरुष कर्मचारियों ने मिलकर आमजन की सेवा के लिए मीठे पानी और देशी घी के हलवे की छबील लगाई। इस दौरान राहगीरों, कर्मचारियों और कार्यालय में आने वाले लोगों को ठंडा मीठा पानी पिलाकर गर्मी से राहत पहुंचाई गई।

इसके साथ ही देशी घी से तैयार हलवे का प्रसाद भी श्रद्धा भाव से वितरित किया गया। कर्मचारियों ने बताया कि गर्मी के मौसम में प्यासे लोगों को पानी पिलाना सबसे बड़ी सेवा है। इस पहल की लोगों ने सराहना की और कहा कि ऐसे सेवा कार्य समाज में आपसी भाईचारे और मानवता की भावना को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम में कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर योगदान दिया।

रूह से रूबरू

चारू नागपाल

और कितने लक्षागृह अभी बाकी हैं?

महाभारत का लक्षागृह केवल एक षड्यंत्र नहीं था, बल्कि सत्ता और लालच के कारण निर्दोष लोगों की जान लेने का प्रतीक था। आज भी हमारे देश में ऐसे अनेक लक्षागृह मौजूद हैं, जो ज्वलनशील पदार्थों से नहीं, बल्कि लापरवाही, भ्रष्टाचार और नियमों की अनदेखी से बने हैं। कहीं जर्जर इमारतें हैं, कहीं अग्नि सुरक्षा के साधनों का अभाव है, तो कहीं अवैध

निर्माण लोगों के जीवन पर खतरा बनकर खड़े हैं। जब किसी भवन का मालिक सुरक्षा मानकों की उपेक्षा करता है और संबंधित अधिकारी अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ लेते हैं, तब दुर्घटनाएँ केवल हादसे नहीं रह जातीं, बल्कि मानवीय संवेदनहीनता का परिणाम बन जाती हैं। हर वर्ष ऐसी घटनाओं में अनेक निर्दोष लोग अपनी जान गंवाते हैं, जिनका दोष केवल इतना होता है कि वे उस स्थान पर मौजूद थे। प्रश्न यह है कि आखिर हमारे देश में ऐसे कितने लक्षागृह अभी और खड़े होंगे, जिनकी कीमत आम नागरिकों को अपनी जान देकर चुकानी पड़ेगी? समय की मांग है कि जिम्मेदार लोग चेतें, नियमों का सख्ती से पालन हो और मानव जीवन को लाभ से अधिक महत्व दिया जाए।

एफ एंड सीसी ने 20 करोड़ रुपये के 82 विकास कार्यों को दी मंजूरी

शहर में सड़कों, पार्कों और बुनियादी ढांचे को मिलेगा बढ़ावा

चंडीगढ़/यूटर्न/24 जून। नगर निगम की वित्त एवं अनुबंध समिति (एफ एंड सीसी) ने बुधवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में करीब 20 करोड़ रुपये की लागत वाले 82 विकास कार्यों को मंजूरी दे दी। यह नगर निगम के इतिहास में एक बैठक में स्वीकृत किए गए विकास कार्यों की सबसे बड़ी संख्या में से एक है। मेयर सौरभ जोशी की अध्यक्षता में हुई बैठक में नगर निगम आयुक्त अमित कुमार, आईएएस तथा समिति के अन्य सदस्य मौजूद रहे। बैठक में सड़कों, पार्कों, जलापूर्ति, सीवरेज, स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज, स्ट्रीट लाइटिंग, सार्वजनिक शौचालयों और अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़े प्रस्तावों को हरी झंडी दी गई।

मंजूर कार्यों में बुरैल गांव में स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज सिस्टम को मजबूत करना, बुटेरला गांव की आंतरिक सड़कों पर इंटरलॉकिंग पेवर ब्लॉक लगाना, विभिन्न सेक्टरों में पार्कों और वॉकिंग ट्रैक की मरम्मत, स्ट्रीट लाइटों का विस्तार, जलापूर्ति व्यवस्था में सुधार तथा सार्वजनिक शौचालयों के नवीनीकरण जैसे कार्य शामिल हैं। मनीमाजरा, मौलीजागरां, मलोया, रामदरबार, अंबेडकर कॉलोनी और शहर के विभिन्न सेक्टरों में सड़कों, फुटपाथों, पार्कों और सार्वजनिक सुविधाओं के उन्नयन पर विशेष ध्यान दिया गया है। कई क्षेत्रों में ओपन एयर जिम, नई लाइटें, पौधारोपण और सौंदर्यीकरण संबंधी परियोजनाओं को भी मंजूरी मिली है। बैठक में विशेष एजेंडा मदों की जांच और सिफारिशों के लिए एक अलग समिति गठित करने का निर्णय भी लिया गया।

इसके अलावा बाजारों में सजावटी पोल और लाइट लगाने के लिए मानक, डिजाइन और लागत का अध्ययन करने हेतु दूसरी समिति बनाई गई है, जिसकी सिफारिशें 29 जून को होने वाली जनरल हाउस बैठक में रखी जाएंगी।

मेयर सौरभ जोशी ने कहा कि इन परियोजनाओं से शहर के प्रत्येक सेक्टर, कॉलोनी और गांव में संतुलित विकास सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि स्वीकृत

Uturn Time 25 June 2026_Layout 2 24-06-2026 23:34 Page 7

आईसीएआई लुधियाना शाखा ने सीए इंटरमीडिएट सिटी टॉपर्स को किया सम्मानित

5th Rank – Mr. ChetanMarks Obtained: 333/600

4th Rank – Ms. AlishaMarks Obtained: 373/600

3rd Rank – Mr. Rajan PundirMarks Obtained: 379/600

2nd Rank – Ms. DiyaMarks Obtained: 391/600

1st Rank – Ms. Sehajpreet KaurMarks Obtained: 511/600

लुधियाना/यूटर्न/24 जून। द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की एनआईआरसी लुधियाना शाखा ने हाल ही में घोषित सीए इंटरमीडिएट परीक्षा परिणामों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले लुधियाना केंद्र के विद्यार्थियों को सम्मानित किया। शाखा ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि इन विद्यार्थियों ने मेहनत, लगन और समर्पण के बल पर लुधियाना का नाम रोशन किया है।

लुधियाना केंद्र से सुश्री सहजप्रीत कौर ने 511/600 अंक प्राप्त कर पहला स्थान हासिल किया। सुश्री दिया 391/600 अंकों के साथ दूसरे, श्री राजन पुंडीर 379/600 अंकों के साथ तीसरे, सुश्री अलीशा 373/600 अंकों के साथ चौथे और श्री चेतन 333/600 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहे। लुधियाना केंद्र के समग्र परिणामों के अनुसार दोनों समूहों में 135 विद्यार्थी उपस्थित हुए, जिनमें से 13 ने दोनों समूह उत्तीर्ण किए। केवल समूह-कमें 303 विद्यार्थी उपस्थित हुए, जिनमें से 52 सफल रहे, जबकि केवल समूह-II में 198 विद्यार्थियों में से 56 ने सफलता प्राप्त की। लुधियाना शाखा के अध्यक्ष सीए विकास गोयल ने सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और उन्हें पेशे के मूल्यों को ईमानदारी व समर्पण के साथ बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

नशा तस्कर के अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर, कई सालों से कर रहा था धंधा

लुधियाना/यूटर्न/24 जून। शिमलापुरी इलाके में कुख्यात नशा तस्कर राणा कुमार द्वारा किए गए अवैध निर्माण को नगर निगम और पुलिस की संयुक्त टीम ने बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। डीसीपी हरपाल सिंह ने बताया कि आरोपी लंबे समय से आपराधिक और नशे के कारोबार में लिप्त है, जिसके खिलाफ प्रशासन ने यह सख्त कदम उठाया है। डीसीपी हरपाल सिंह ने बताया कि आरोपी राणा कुमार पिछले करीब 14-15 सालों से नशे के अवैध धंधे में सक्रिय है। उन्होंने बताया कि राणा कुमार के खिलाफ सबसे पहला मामला साल 2012 में दर्ज किया गया था। तब से लेकर अब तक उस पर कई गंभीर धाराओं के तहत मुकदमे दर्ज हो चुके हैं। नशा तस्करी के साथ-साथ उसने शिमलापुरी इलाके में सरकारी/अवैध जगह पर अतिक्रमण करके निर्माण कर रखा था। डीसीपी हरपाल सिंह ने साफ किया कि राणा फिलहाल पुलिस की गिरफ्त में नहीं है। वह गिरफ्तारी के डर से छिपकर रह रहा है और इस इलाके में नहीं आ रहा है। पुलिस उसकी तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है।

जालंधर को बड़ी सौगात: 112.93 करोड़ से बनेंगे दो ROB, ट्रैफिक जाम से मिलेगी राहत

केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू ने गुरु नानकपुरा और गढ़ा फाटक पर परियोजनाओं की रखी आधारशिला

जालंधर/यूटर्न/24 जून। शहर में यातायात को सुगम बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत बिट्टू ने गुरु नानकपुरा फाटक और गढ़ा फाटक पर बनने वाले दो रेलवे ओवरब्रिज (ROB) का शिलान्यास किया।

इन दोनों परियोजनाओं की कुल लागत 112.93 करोड़ रुपये बताई गई है। इनमें गुरु नानकपुरा फाटक पर बनने वाले फ्लाइ पर 48.95 करोड़ रुपये और गढ़ा फाटक पर 63.98 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

इस मौके पर रवनीत बिट्टू ने कहा कि गुरु नानकपुरा फाटक पर पहले करीब 200 करोड़ रुपये का टेंडर प्रस्तावित था, लेकिन प्रयासों के बाद इसे घटाकर 112.93 करोड़ रुपये पर अंतिम रूप दिया गया।

उन्होंने बताया कि यह फाटक शहर का सबसे व्यस्त रेलवे क्रॉसिंग है, जहां से रोजाना करीब 140 ट्रेनें गुजरती हैं, जिससे लंबे समय तक जाम की स्थिति बनी रहती है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इन फ्लाइ के बनने से शहर और कैंट क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी और यातायात व्यवस्था में सुधार होगा। उन्होंने दावा किया कि देशभर में रेलवे से जुड़ी बड़ी परियोजनाएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि निर्माण कार्य बरसात से पहले शुरू किया जाएगा और इसे लगभग एक वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। हालांकि निर्माण के दौरान लोगों को कुछ असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। रवनीत बिट्टू ने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि अधिक ट्रैफिक वाले फाटकों को चरणबद्ध तरीके से समाप्त कर आधुनिक पुलों का निर्माण किया जाए, ताकि लोगों को सुरक्षित और तेज आवागमन की सुविधा मिल सके।

सीआईसीयू प्रतिनिधिमंडल ने नई कस्टम कमिश्नर वरिंदर कौर से की मुलाकात

लुधियाना/यूटर्न/24 जून। चैंबर ऑफ इंडस्ट्रियल एंड कमर्शियल अंडरटेकिंग्स (सीआईसीयू) के प्रतिनिधिमंडल ने नव नियुक्त कस्टम कमिश्नर वरिंदर कौर से मुलाकात कर उन्हें पदभार संभालने पर बधाई दी। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सीआईसीयू अध्यक्ष उपकार सिंह आहूजा ने किया। उनके साथ महासचिव हनी सेठी, उपाध्यक्ष गौतम मल्होत्रा और एक्सपोर्ट कन्वीनर सरवजीत सिंह भी मौजूद रहे। मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने कस्टम कमिश्नर को लुधियाना के औद्योगिक क्षेत्र की निर्यात और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका से अवगत करवाया। इस दौरान निर्यातकों से जुड़े मुद्दों, कस्टम प्रक्रियाओं, व्यापार सुविधा और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडल ने विश्वास जताया कि वरिंदर कौर के नेतृत्व में कस्टम विभाग उद्योग और व्यापार जगत के हित में सकारात्मक भूमिका निभाएगा। कस्टम कमिश्नर वरिंदर कौर ने सीआईसीयू द्वारा उद्योगों और निर्यातकों के हितों को उठाने के प्रयासों की सराहना की और वास्तविक समस्याओं के समाधान में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। सीआईसीयू अध्यक्ष उपकार सिंह आहूजा ने कहा कि निर्यात बढ़ाने और भारतीय विनिर्माण क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता मजबूत करने के लिए उद्योग और सरकारी विभागों के बीच बेहतर तालमेल बेहद जरूरी है।

स्वदेशी विचार को जन-जन तक पहुंचाने का किया आह्वान

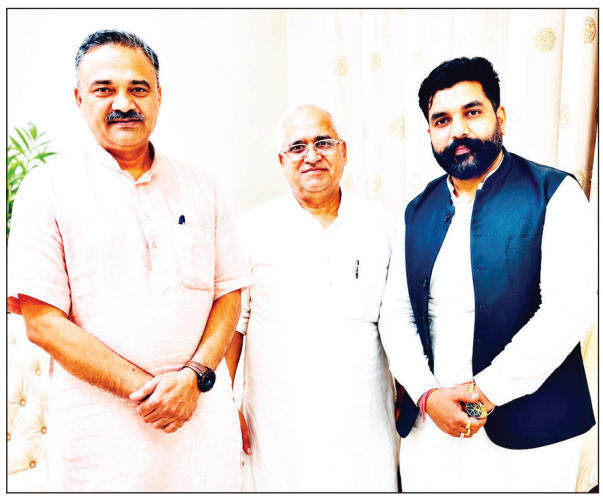

लुधियाना/यूटर्न/24 जून। स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय सह-संगठक आदरणीय श्री सतीश कुमार जी तथा त्रिप्रांतीय संगठक आदरणीय श्री विनय कुमार जी ने लुधियाना प्रवास के दौरान विभिन्न स्थानों पर आयोजित बैठकों में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं और गणमान्य लोगों से संवाद करते हुए स्वदेशी के विचार को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

उन्होंने भारतीय उत्पादों के अधिकाधिक उपयोग, स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहन और आर्थिक राष्ट्रवाद को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्वावलंबी और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भूमिका जरूरी है।

बैठकों के दौरान स्वदेशी, आर्थिक आत्मनिर्भरता, उद्यमिता संवर्धन और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। उनके मार्गदर्शन और अनुभव से उपस्थित लोगों को राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा मिली।

Uturn Time 25 June 2026_Layout 2 24-06-2026 23:34 Page 8

पंजाब के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में बदलाव की जरूरत: नायब सिंह सैनी

विकास, सुरक्षा और नई उम्मीदों पर दिया जोर, युवाओं के भविष्य को लेकर जताई चिंता

चंडीगढ़/श्री मुक्तसर साहिब/यूटर्न/24 जून। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब की जनता से अपने बच्चों के भविष्य, राज्य की खुशहाली और विकसित भारत के निर्माण के लिए सही निर्णय लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि पंजाब अपनी पुरानी पहचान और गौरव को वापस हासिल करे तथा विकास और सुशासन के रास्ते पर आगे बढ़े।

श्री मुक्तसर साहिब में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने प्रथम पातशाही श्री गुरु नानक देव जी, सभी गुरु साहिबानों, साहिबजादों और महापुरुषों को नमन किया। उन्होंने कहा कि यह पवित्र धरती चालीस मुक्तों, भाई महा सिंह जी और माई भागो जी के बलिदान की गवाह रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब और हरियाणा का रिश्ता केवल पड़ोसी राज्यों का नहीं बल्कि साझा संस्कृति, भाषा और भावनाओं का रिश्ता है। उन्होंने कहा कि वह पंजाब में मुख्यमंत्री के रूप में नहीं बल्कि छोटे भाई और शुभचिंतक के तौर पर आए हैं। उन्होंने पंजाब की वर्तमान और पूर्व सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि जनता ने पहले कांग्रेस और बाद में आम आदमी पार्टी को मौका दिया, लेकिन लोगों की उम्मीदों के मुताबिक परिणाम नहीं मिले। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के दौर में भ्रष्टाचार और परिवारवाद बढ़ा, जबकि आम आदमी पार्टी ने बड़े वादे किए लेकिन उन्हें पूरा नहीं किया।

सैनी ने कहा कि महिलाओं को हर महीने आर्थिक सहायता देने का वादा अब तक पूरा नहीं हुआ, जबकि हरियाणा में सरकार महिलाओं के खातों में सीधे सहायता राशि पहुंचा रही है। उन्होंने पंजाब में नशे, अपराध, अवैध खनन और कानून-व्यवस्था को लेकर चिंता जताते हुए कहा कि ड्रग्स तस्करी, गैंगवार और फिरौती जैसी घटनाओं ने लोगों में डर का माहौल पैदा किया है। उनके अनुसार व्यापारी, उद्योगपति और आम नागरिक सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। किसानों के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कई फसलों की खरीद कर रही है और किसानों को सीधे खातों में भुगतान किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ह्लसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयासह्व के सिद्धांत पर काम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि हरियाणा सरकार अपने चुनावी वादों को तेजी से पूरा कर रही है। अपने संबोधन के अंत में उन्होंने पंजाब की जनता से अपील की कि वे आने वाले समय में ऐसा निर्णय लें जिससे पंजाब फिर से विकास, समृद्धि और सम्मान की नई ऊंचाइयों तक पहुंच सके। कार्यक्रम में कई राजनीतिक और सामाजिक हस्तियां भी मौजूद रहीं।

माय भारत के 'सक्षम ईएलपी-2026' का समापन, विशेष बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों के साथ पांच दिन रहीं रचनात्मक गतिविधियां

चंडीगढ़/यूटर्न/24 जून। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन माय भारत, चंडीगढ़ द्वारा समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास विभाग, चंडीगढ़ प्रशासन के सहयोग से आशा किरण, सेक्टर-46 में आयोजित पांच दिवसीय अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम (एक्सपीरिएंशियल लर्निंग प्रोग्राम) 'सक्षम ईएलपी-2026' का सफलतापूर्वक समापन हो गया। कार्यक्रम के दौरान माय भारत के स्वयंसेवकों ने विशेष रूप से सक्षम बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए योग, चित्रकला, पेंटिंग सहित विभिन्न रचनात्मक और मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया। इन गतिविधियों से प्रतिभागियों में आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा मिला। वहीं स्वयंसेवकों को सेवा, संवेदनशीलता और समावेशन के मूल्यों को व्यवहारिक रूप से समझने का अवसर प्राप्त हुआ।

स्वयंसेवकों ने विशेष क्षमताओं वाले बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों के साथ समय बिताकर उनके जीवन संघर्ष, धैर्य, दृढ़ संकल्प और सकारात्मक दृष्टिकोण से प्रेरणा ली।

कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को समाज के विभिन्न वर्गों के प्रति संवेदनशील बनाना और उनमें सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था। इस अवसर पर माय भारत, चंडीगढ़ के जिला युवा अधिकारी विनय कुमार ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं में सामाजिक उत्तरदायित्व, नेतृत्व क्षमता और सेवा भावना का विकास करते हैं तथा उन्हें राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास विभाग, चंडीगढ़ प्रशासन, आशा किरण के रेजिडेंट मैनेजर, संस्थान के कर्मचारियों और माय भारत के स्वयंसेवकों सारिका, आकांक्षा, पुष्पा, प्रगति और ऋतिक का आभार व्यक्त किया।

जीरकपुर मेन मार्केट में 15 दिन में दूसरी चोरी, व्यापारियों में रोष

जीरकपुर/यूटर्न/24 जून। शहर की मेन मार्केट में चोरी की लगातार घटनाओं ने व्यापारियों की चिंता बढ़ा दी है। ताजा मामले में हरमन लेदर स्टोर को 15 दिनों के भीतर दूसरी बार चोरों ने निशाना बनाया। चोर दुकान के बाहर लगे एसी के आउटडोर यूनिट से कॉपर वायर काटकर ले गए।

दुकान मालिक सोनू ने बताया कि वह रात करीब 9 बजे दुकान बंद कर घर चले गए थे। सुबह पड़ोसी दुकानदार ने फोन कर बताया कि दुकान के बाहर लगे एसी के तार कटे हुए हैं। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि चोर कॉपर वायर चोरी कर ले गए हैं।

सोनू के अनुसार करीब 15 दिन पहले भी दुकान की छत पर लगे एसी आउटडोर यूनिट

से चोरी हुई थी, जिसकी शिकायत पुलिस को दी गई थी, लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष भी दुकान के ताले तोड़कर लाखों रुपये के बैग चोरी किए गए थे, मगर उस मामले में भी कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आया। व्यापारियों का आरोप है कि फ्लाईओवर के नीचे देर रात तक नशेड़ी जमा रहते हैं और असामाजिक गतिविधियां चलती हैं। पिछले एक महीने में मार्केट में कई चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन कार्रवाई की उम्मीद न होने के कारण कई दुकानदार शिकायत तक दर्ज नहीं करवाते। दुकानदारों ने पुलिस प्रशासन से रात की गश्त बढ़ाने, फ्लाईओवर के नीचे असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई करने और बाजार की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

जल्द बदलेगी जगरांव हलके की राजनीतिक तस्वीर

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/24/जून। शिरोमणि अकाली दल को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से, हलका जगरांव के प्रभारी और पूर्व विधायक एस.आर. क्लेर की अगुवाई में पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान जगरांव हलके के संगठनात्मक ढांचे, पार्टी की मजबूती और भविष्य की रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक के मुख्य बिंदु और रणनीति : इस उच्च-स्तरीय बैठक में पार्टी के आगामी कार्यक्रमों और जनता से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने पर विशेष जोर दिया गया।

बनाई गई रणनीति :

बूथ प्रबंधन : पार्टी को बूथ स्तर तक और अधिक सक्रिय और मजबूत बनाने का निर्णय लिया गया।

जनसंपर्क अभियान : कार्यकताओं को निर्देश दिए गए कि वे जनता के साथ सीधा संवाद कायम रखें और उनके दुख-सुख में भागीदारी सुनिश्चित करें।

मजबूत नेतृत्व : स्थानीय नेताओं ने पार्टी के जनाधार को बढ़ाने के लिए एकजुट होकर काम करने का संकल्प लिया।

प्रमुख हस्तियों की उपस्थिति : इस महत्वपूर्ण बैठक में हलके के वरिष्ठ अकाली नेताओं ने भाग लिया, जिनमें प्रमुख रूप से शामिल थे : एसजीपीसी सदस्य भाई गुरचरण सिंह ग्रेवाल, पूर्व चेयरमैन दीदार सिंह मलक, **सर्कल प्रधान :** परमिंदर सिंह चीमा सरपंच, शिवराज सिंह सरपंच, मनदीप सिंह गालिब, सरप्रीत सिंह काउंके।

अन्य वरिष्ठ नेता : सुरिंदर सिंह परजीयां बिहारीपुर, सुख संधू पीए क्लेर, वरिष्ठ युवा नेता गुरिंदर सिंह रूमी बावा रायकोट और सुखप्रीत सिंह ढोलण आदि।

पार्टी की नई दिशा : पूर्व विधायक एस.आर. क्लेर ने कहा कि जगरांव हलके में शिरोमणि अकाली दल का आधार पहले से ही मजबूत है और कार्यकताओं के जोश से स्पष्ट है कि आने वाले समय में पार्टी और अधिक ऊंचाइयों को छुएगी। अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने नेताओं को जनता के हितों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष जारी रखने के लिए प्रेरित किया। इस बैठक के बाद पार्टी के स्थानीय नेताओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है और माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में जगरों में अकाली दल की गतिविधियों में तेजी देखने को मिलेगी।

Uturn Time 25 June 2026_Layout 2 24-06-2026 23:34 Page 9

हाईकोर्ट से सुषमा वेलेंसिया के 500 परिवारों को राहत, नियमित बिजली कनेक्शन का रास्ता साफ

बिल्डर विवाद के बीच निवासियों की बड़ी जीत, हाईकोर्ट ने पावरकॉम को दिए बिजली कनेक्शन के निर्देश

जीरकपुर/यूटर्न/24 जून। सुषमा वेलेंसिया हाउसिंग सोसायटी के करीब 500 परिवारों को लंबे समय से चले आ रहे बिजली संकट से राहत मिलने की उम्मीद जगी है। सोसायटी निवासियों की ओर से पैरवी कर रहे एडवोकेट गुरिंदर सिंह घोट ने दावा किया है कि पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने पावरकॉम को आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद नियमित बिजली कनेक्शन जारी करने के निर्देश दिए हैं। इस फैसले को निवासियों ने बड़ी कानूनी और प्रशासनिक जीत बताया है।

एडवोकेट घोट के अनुसार, पावरकॉम ने अदालत में दलील दी थी कि नियमित बिजली आपूर्ति शुरू करने के लिए करीब साढ़े छह करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी, जिसमें 1.75 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी भी शामिल थी। उनका कहना है कि अदालत ने बैंक गारंटी की शर्त हटाकर निवासियों को बड़ी राहत प्रदान की है। इससे परियोजना पर पड़ने वाला वित्तीय बोझ काफी कम हो गया है।

घोट ने बताया कि अब सोसायटी निवासियों को पावरकॉम के पास लगभग 2.17 करोड़ रुपये जमा करवाने होंगे। वहीं, सोसायटी के भीतर लो टेंशन (एलटी) नेटवर्क का काम भी निवासी अपने स्तर पर करवाएंगे। उनका दावा है कि जिस कार्य पर पावरकॉम ने करीब दो करोड़ रुपये खर्च आने का अनुमान जताया था, वह काम एक से सवा करोड़ रुपये में पूरा किया जा सकता है। इससे कुल लागत में भी उल्लेखनीय कमी आने की संभावना है। उन्होंने बताया कि अदालत के निदेर्शानुसार निर्धारित राशि जमा होने के बाद पावरकॉम नियमित बिजली कनेक्शन जारी करने की प्रक्रिया शुरू करेगा। सोसायटी निवासी अगले 15 दिनों के भीतर राशि जमा करवाने की तैयारी कर रहे हैं। उनका अनुमान है कि भुगतान होने के बाद एक महीने के भीतर नियमित बिजली कनेक्शन जारी किए जा सकते हैं।

गौरतलब है कि बिल्डर से जुड़े विवादों और कानूनी पेचीदगियों के चलते सुषमा वेलेंसिया के सैकड़ों परिवार लंबे समय से नियमित बिजली सुविधा से वंचित थे। निवासियों ने अपने स्तर पर कनेक्शन लेने के लिए पावरकॉम से संपर्क किया था, लेकिन कानूनी अड़चनों के कारण मामला आगे नहीं बढ़ सका। इसके बाद 5 जून को हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की गई। घोट के अनुसार, पहली सुनवाई में अदालत ने अंतरिम राहत देते हुए निवासियों को निर्धारित शुल्क और 20 हजार रुपये जमा करवाकर अस्थायी बिजली कनेक्शन लेने की अनुमति दी थी। बाद में आदेशों के अनुपालन को लेकर उठे सवालों के चलते निवासियों ने दोबारा अदालत का रुख किया। 19, 22 और 23 जून को हुई सुनवाई के बाद आए ताजा फैसले ने नियमित बिजली का रास्ता साफ कर दिया है। हालांकि, खबर लिखे जाने तक इस संबंध में पावरकॉम के किसी अधिकारी का आधिकारिक पक्ष प्राप्त नहीं हो सका था।

जीरकपुर नगर परिषद को मिला नया प्रधान, गुरप्रीत सिंह विर्क सर्वसम्मति से चुने गए

एक महीने की खींचतान खत्म, गुरप्रीत विर्क के हाथों में नगर परिषद की कमान

जीरकपुर/यूटर्न/24 जून। नगर परिषद चुनाव के नतीजों के करीब एक महीने बाद आखिरकार जीरकपुर नगर परिषद को नया प्रधान मिल गया। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पार्षद गुरप्रीत सिंह विर्क को सर्वसम्मति से नगर परिषद का प्रधान चुना गया। नगर परिषद कार्यालय में हुई विशेष बैठक में चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। प्रधान पद को लेकर पिछले कई दिनों से राजनीतिक खींचतान और अटकलें जारी थीं। कई नाम चर्चा में थे, लेकिन आखिरकार सभी पार्षदों की सहमति से गुरप्रीत सिंह विर्क के नाम पर मुहर लगी। इस मौके पर डेराबस्सी विधायक कुलजीत सिंह रंधावा भी मौजूद रहे। उन्होंने नवनियुक्त प्रधान को बधाई देते हुए कहा कि नए नेतृत्व में शहर के विकास कार्यों को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि सफाई, पेयजल, सीवरेज, सड़कें और जल निकासी

जैसी बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना प्राथमिकता रहेगी। नवनिर्वाचित प्रधान गुरप्रीत सिंह विर्क ने पार्टी हाईकमान, विधायक कुलजीत सिंह रंधावा और सभी पार्षदों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी उनके लिए सम्मान के साथ बड़ी चुनौती भी है। वे सभी पार्षदों को साथ लेकर बिना भेदभाव शहर के विकास के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक जाम, जल निकासी, सफाई व्यवस्था और अधूरे विकास कार्यों जैसी समस्याओं के समाधान पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। चुनाव के बाद समर्थकों ने फूल-मालाएं पहनाकर और मिठाइयां बांटकर खुशी जताई।

नाबालिग को शादी का झांसा देकर ले जाने का आरोप, युवक पर केस दर्ज

जीरकपुर/यूटर्न/24 जून। थाना जीरकपुर पुलिस ने नाबालिग लड़की को शादी का झांसा देकर अपने साथ ले जाने के आरोप में एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में बादल कॉलोनी निवासी महिला ने बताया कि उनके पति का करीब तीन वर्ष पहले निधन हो चुका है। उनकी दो बेटियां हैं। छोटी बेटी नाबालिग है और करनाल के एक निजी स्कूल में पढ़ती है। छुट्टियों के दौरान वह जीरकपुर स्थित अपने घर आई हुई थी। महिला ने आरोप लगाया कि शिवम नामक युवक उनकी नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर और शादी का झांसा देकर अपने साथ ले गया। परिवार ने अपने स्तर पर काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग न मिलने पर पुलिस को शिकायत दी गई।

गुरुग्राम FIR का राजनीतिक असरः फोरेंसिक से परे एक राजनीतिक तूफान

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के कथित 'अपवित्रता' (sacrilege) वाले वीडियो से जुड़ी फोरेंसिक रिपोर्ट में हेरफेर के आरोप में गुरुग्राम में दर्ज FIR एक बड़े राजनीतिक विवाद का रूप ले सकती है। यह मामला सिर्फ एक आपराधिक जांच से कहीं ज्यादा है; यह 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले पंजाब में राजनीतिक नैरेटिव को बदल सकता है और आम आदमी पार्टी (AAP), भारतीय जनता पार्टी (BJP) और कुछ हद तक शिरोमणि अकाली दल (SAD) के बीच लड़ाई को और तेज कर सकता है।

संदीप शर्मा, सम्पादक

इस विवाद के केंद्र में दबाव डालने, इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड में हेरफेर करने और पहले से तय फोरेंसिक नतीजे हासिल करने की कोशिशों के गंभीर आरोप हैं। अगर ये आरोप साबित हो जाते हैं, तो ये संस्थागत ईमानदारी और बहुत ज्यादा राजनीतिक और धार्मिक संवेदनशीलता वाले मामलों में प्रभाव के दुरुपयोग को लेकर चिंताजनक सवाल खड़े करेंगे।

BJP के लिए, यह FIR AAP सरकार पर अपने हमले को तेज करने का एक मौका देती है। पार्टी ने लगातार AAP की साफ-सुथरी और पारदर्शी सरकार वाली छवि को कमजोर करने की कोशिश की है। गुरुग्राम का मामला यह तर्क देने के लिए नया हथियार देता है कि जिस पार्टी ने ईमानदारी के आधार पर अपना राजनीतिक ब्रांड बनाया, उसने खुद राजनीतिक फायदे के लिए संस्थागत प्रक्रियाओं से समझौता किया हो सकता है। चूंकि BJP पंजाब में, खासकर शहरी मतदाताओं और पारंपरिक क्षेत्रीय पार्टियों से निराश लोगों के बीच अपनी पैठ बढ़ाना चाहती है, इसलिए यह विवाद एक अहम राजनीतिक मुद्दा बन सकता है। पार्टी संभवतः किसी केंद्रीय एजेंसी से स्वतंत्र जांच की मांग करेगी और इस घटना को AAP के तहत शासन की व्यापक कमियों का एक लक्षण बताएगी।

हालांकि, AAP के लिए दांव पर बहुत कुछ लगा है। पार्टी की राजनीतिक पहचान ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही के वादे पर टिकी है। अगर ऐसी कोई धारणा बनती है कि सरकार से जुड़े लोगों ने अपने पक्ष में फोरेंसिक रिपोर्ट तैयार करने की कोशिश की, तो इससे उनकी बड़ी मेहनत से बनाई गई छवि को नुकसान पहुँच सकता है। भले ही आरोप बाद में गलत साबित हो जाएं, लेकिन लंबे समय तक जनता की नजर में रहने और लगातार राजनीतिक हमलों से नुकसान हो सकता है। AAP की रणनीति संभवतः इस विवाद को एक राजनीतिक रूप से प्रेरित कदम के तौर पर पेश करने की होगी, जिसका मकसद चुनी हुई राज्य सरकार को बदनाम करना है। इन घटनाक्रमों का असर शिरोमणि अकाली दल पर भी पड़ सकता है, जिसने पिछले दशक में अपवित्रता से जुड़े विवादों की सबसे ज्यादा राजनीतिक कीमत चुकाई है। 2015 में हुई बेअदबी की घटनाओं और उसके बाद कोट kapura और बेहबल कलां में पुलिस फायरिंग के बाद, सिख वोटरों के एक बड़े हिस्से के बीच रअऊकी साख को भारी नुकसान पहुँचा था। अब पार्टी इस ताजा विवाद का इस्तेमाल यह तर्क देने के लिए कर सकती है कि सरकार बदलने के बाद भी यह मुद्दा पंजाब की राजनीति में बना हुआ है। ऐसा तर्क रअऊको पंथिक वोटरों के बीच अपनी खोई हुई राजनीतिक जमीन वापस पाने में मदद कर सकता है। फिर भी, पार्टी के सामने एक नाजुक संतुलन बनाने की चुनौती है। बेअदबी पर फिर से कोई भी चर्चा अनिवार्य रूप से उसके अपने रिकॉर्ड की जांच-पड़ताल को फिर से शुरू कर देगी। नतीजतन, अकाली दल के खुद को निष्पक्ष और समयबद्ध जांच की मांग तक सीमित रखने की संभावना है, साथ ही वह बहुत ज्यादा आक्रामक राजनीतिक रुख अपनाने से भी बचेगा। कांग्रेस को भी कुछ राजनीतिक फायदा हो सकता है, खासकर इसलिए क्योंकि उसके नेता फोरेंसिक रिपोर्ट पर सवाल उठाने वालों में सबसे पहले थे। हालाँकि, इस मुद्दे पर मुख्य मुकाबला अअढ और इखढ के बीच ही रहने की संभावना है, भले ही असली मुकाबला अअढ और कांग्रेस के बीच हो। फिलहाल, गुरुग्राम FIR ने यह सुनिश्चित कर दिया है कि पंजाब की राजनीतिक लड़ाई शासन और चुनावी गणित से आगे बढ़कर संस्थागत विश्वसनीयता, जनता के भरोसे और राजनीतिक नैतिकता के कहीं अधिक संवेदनशील दायरे में चली गई है—ऐसे मुद्दे जो अक्सर चुनावी राजनीति पर गहरी छाप छोड़ते हैं।

Uturn Time 25 June 2026_Layout 2 24-06-2026 23:34 Page 10

चंडीगढ़ में कमजोर आबादी में बीमारियों की प्रारंभिक पहचान हेतु इंटेंसिफाइड इंटीग्रेटेड हेल्थ कैंप पहल की शुरूआत

चंडीगढ़/यूटर्न/24 जून। सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के बीच समन्वय को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आज श्री शिव ठाकुर दवारा मंदिर, मनीमाजरा में इंटेंसिफाइड इंटीग्रेटेड हेल्थ कैंप पहल की शुरूआत की गई। इसका शुभारंभ डॉ. सद्भावना पंडित, कार्यवाहक मिशन डायरेक्टर (एनएचएम)-सह-निदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, यूटी चंडीगढ़ द्वारा किया गया।

इस पहल का उद्देश्य कमजोर एवं उच्च जोखिम वाली आबादी को एक ही मंच पर व्यापक जांच एवं प्रारंभिक रोग पहचान सेवाएं उपलब्ध कराना है। इसके तहत एचआईवी, सिफिलिस, हेपेटाइटिस इ, हेपेटाइटिस सी, टीबी , उच्च रक्तचाप और मधुमेह की स्क्रीनिंग की जा रही है, ताकि समय पर निदान, उपचार और रेफरल सुनिश्चित किया जा सके।

लॉन्च के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग, चंडीगढ़ प्रशासन के चिकित्सकों द्वारा निक्षय मित्र पहल के तहत 10 टीबी मरीजों को गोद लिया गया तथा उनके उपचार एवं पोषण सहायता हेतु पोषण किट वितरित की गई।

एनसीसी कैडेट्स को सड़क सुरक्षा के प्रति किया जागरूक, ट्रैफिक नियमों की दी जानकारी

चंडीगढ़/यूटर्न/24 जून। चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस ने बुधवार को सेक्टर-11 स्थित पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट कॉलेज में एनसीसी कैडेट्स के लिए सड़क सुरक्षा जागरूकता सत्र आयोजित किया। कार्यक्रम में करीब 350 एनसीसी कैडेट्स ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित करना था।

सत्र के दौरान कैडेट्स को हेलमेट और सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, गति सीमा और ट्रैफिक सिग्नलों का पालन करने, पैदल यात्रियों की सुरक्षा, आपातकालीन वाहनों को रास्ता देने तथा गुड समैरिटन कानून की जानकारी दी गई। इसके अलावा दिव्यांगजनों (PwD) के लिए आरक्षित पार्किंग स्थलों का सम्मान करने, साइकिल ट्रैक का दुरुपयोग न करने और जिम्मेदार सड़क उपयोगकर्ता बनने का संदेश भी दिया गया।

ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों ने किशोरों द्वारा वाहन चलाने के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान और यातायात नियमों के उल्लंघन पर लगने वाले जुमार्नों की भी जानकारी दी। कैडेट्स को इलेक्ट्रिक वाहनों पर भी हेलमेट पहनने की आवश्यकता और सुरक्षित ड्राइविंग व्यवहार के महत्व से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में पुलिस प्रशासन विभाग (पीयू) के डॉ. कुलदीप सिंह, सूबेदार मेजर राजेंद्र सिंह और सूबेदार करण सिंह भी उपस्थित रहे।

सफाई कर्मियों की समस्याओं पर राष्ट्रीय आयोग सख्त, लंबित मामलों के जल्द निपटारे के निर्देश

चंडीगढ़/यूटर्न/24 जून। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग (एनसीएसके) के उपाध्यक्ष हरदीप सिंह गिल ने बुधवार को नगर निगम चंडीगढ़ में समीक्षा बैठक कर सफाई कर्मियों की समस्याओं और कल्याणकारी योजनाओं की स्थिति का जायजा लिया। बैठक में नगर निगम आयुक्त अमित कुमार, संयुक्त आयुक्त बलबीर राज सिंह, निगम के वरिष्ठ अधिकारी, सफाई कर्मचारी यूनियनों के प्रतिनिधि और कर्मचारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान यूनियन प्रतिनिधियों ने सफाई कर्मियों के नियमितीकरण, ईएसआई-ईपीएफ लाभ, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के क्रियान्वयन, बीमा दावों, अवकाश सुविधाओं, बायोमेट्रिक उपस्थिति और ठेका कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न मुद्दे उठाए। हरदीप सिंह गिल ने कर्मचारियों की शिकायतें सुनने के बाद संबंधित अधिकारियों को सभी लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारी शहरी स्वच्छता व्यवस्था की रीढ़ हैं और उन्हें सम्मान, सुरक्षा तथा उनके अधिकारों का पूरा लाभ मिलना चाहिए। बैठक में सामाजिक सुरक्षा, कार्यस्थल सुरक्षा, कल्याणकारी योजनाओं और सेवा संबंधी लाभों की भी समीक्षा की गई। आयोग ने प्रभावी शिकायत निवारण प्रणाली विकसित करने और कर्मचारी प्रतिनिधियों के साथ नियमित संवाद बनाए रखने पर जोर दिया।

लोक उपयोगिता सेवाओं से जुड़े विवादों के त्वरित निस्तारण पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

चंडीगढ़/यूटर्न/24 जून। जिला न्यायालय परिसर सेक्टर-43 स्थित एडीआर सेंटर में मंगलवार को लोक उपयोगिता सेवाओं से संबंधित स्थायी लोक अदालत (परमानेंट लोक अदालत) की कार्यप्रणाली और महत्व पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैरा लीगल वालंटियर्स, समाज कल्याण विभाग की आंगनवाड़ी सुपरवाइजरों और कार्यकताओं सहित करीब 35 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता स्थायी लोक अदालत (लोक उपयोगिता सेवाएं) के अध्यक्ष संजय कुमार सचदेवा ने की। उनके साथ सदस्य रूनम कौशिक और सुरजीत कौर वालिया भी मौजूद रहीं। सचदेवा ने बताया कि विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के तहत लोक उपयोगिता सेवाओं से जुड़े विवादों के त्वरित और कम खचीर्ले समाधान के लिए स्थायी लोक अदालतों का गठन किया गया है।

चंडीगढ़ प्रशासन ने फ्रांस में होने वाली विरासत फर्नीचर की नीलामी रोकने हेतु तत्काल राजनयिक हस्तक्षेप की मांग की

चंडीगढ़/यूटर्न/24 जून। चंडीगढ़ प्रशासन ने 25 जून को पेरिस, फ्रांस में प्रस्तावित चंडीगढ़ से संबंधित विरासत फर्नीचर की नीलामी को रोकने तथा उक्त वस्तुओं की बरामदगी एवं भारत वापसी सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार के विदेश मंत्रालय से तत्काल हस्तक्षेप का अनुरोध किया है। विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव (यूएनईएस) को भेजे गए एक पत्र में चंडीगढ़ प्रशासन के संस्कृति सचिव ने नीलामी हेतु प्रस्तावित दो फर्नीचर वस्तुओं की उत्पत्ति (प्रोवेनेंस) को लेकर गंभीर चिंताएं व्यक्त की हैं। इन वस्तुओं पर क्रमश: "PU Chem/55" तथा "PGI/W/CH-020" अंकित है, जो इनके पंजाब विश्वविद्यालय तथा पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ से संबंधित होने का संकेत देता है। इन चिह्नों से यह आशंका उत्पन्न होती है कि उक्त फर्नीचर को उसके वैध संरक्षकों की अनुमति के बिना हटाकर विदेश भेजा गया हो सकता है।

प्रशासन ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि यह फर्नीचर चंडीगढ़ की विशिष्ट आधुनिक स्थापत्य विरासत तथा महान वास्तुकार ले कोर्बुज़िए और उनके सहयोगियों की मूल परिकल्पना का अभिन्न हिस्सा है। चूंकि चंडीगढ़ का कैपिटल कॉम्प्लेक्स 'द आर्किटेक्चरल वर्क ऑफ ले कोर्बुज़िए -एन आउटस्टैंडिंग कंट्रीब्यूशन टू द मॉडर्न मूवमेंट' के अंतर्गत यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल है, इसलिए इस प्रकार के मूल फर्नीचर का संरक्षण राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक महत्व का विषय है।

पत्र में कहा गया है कि इस प्रकार के विरासत फर्नीचर का विदेशी नीलामी बाजार में दिखाई देना संभावित चोरी, अवैध रूप से हटाए जाने, अनधिकृत निस्तारण तथा सांस्कृतिक विरासत संपत्ति के अवैध निर्यात जैसी गंभीर आशंकाओं को जन्म देता है। प्रस्तावित नीलामी के परिणामस्वरूप चंडीगढ़ की ऐतिहासिक पहचान और भारत की सांस्कृतिक धरोहर से जुड़े महत्वपूर्ण विरासत संसाधनों की स्थायी क्षति हो सकती है। मामले की गंभीरता को देखते हुए चंडीगढ़ पुलिस ने 23 जून 2026 को भारतीय न्याय संहिता की प्रासंगिक धाराओं के तहत दो प्राथमिकी दर्ज कर ली हैं तथा संबंधित विरासत फर्नीचर की कथित चोरी, अवैध रूप से हटाने, निर्यात, बिक्री और तस्करी की जांच प्रारंभ कर दी है।

रंजिश को लेकर खूनी संघर्ष: युवक पर जानलेवा हमला घर में तोड़फोड़, पर्चा

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/24/जून। जगरांव शहर में एक युवती के साथ रिश्ते को लेकर उपजे विवाद ने खूनी रूप ले लिया है। रंजिश के चलते एक युवक पर जानलेवा हमला करने और उसके घर में तोड़फोड़ करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। सिटी जगरांव पुलिस ने पीड़ित राजविंदर सिंह उर्फ हैप्पी के बयानों पर कार्रवाई करते हुए 10 नामजद आरोपियों सहित करीब 10-12 अज्ञात लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है।

क्या है पूरा मामला?...पीड़ित राजविंदर सिंह उर्फ हैप्पी पुत्र रूप सिंह, निवासी राई वाला खूह ने पुलिस को बताया कि 16 जून की रात को वह मोहल्ले में लाल वाला पीर की जगह के सामने बैठा था। उसी दौरान अजय गिल उर्फ काका भों, सुमिता रानी, अरश माता, गगनदीप सिंह उर्फ मांगट पुत्र रूपिंदर सिंह निवासी कोठे राहलां, जस्सा, ग्रीमा, जगदीप सिंह उर्फ जग्गा पुत्र बिंदर सिंह, विजय कुमार उर्फ बद्दू, मोहित दोहरी और विक्की दोहरी सहित 10-12 अन्य व्यक्तियों ने उसे घेर लिया और बुरी तरह मारपीट की।

मोहल्ला बना 'पत्थरों वाला मोहल्ला' : स्थानीय निवासियों के अनुसार, रानी वाला मोहल्ला अब शांति का मोहल्ला नहीं रहा। यहाँ पत्थरों से लड़ाई होना या पत्थरबाजी की घटनाएं आम हो गई हैं। बार-बार होने वाली ऐसी हिंसक घटनाओं के कारण अब लोग इसे 'पत्थरों वाला मोहल्ला' कहकर पुकारने लगे हैं, जिससे आम जनता और बच्चों में भारी दहशत का माहौल है।

दोस्त के घर छिपकर बचाई जान : पीड़ित ने बताया कि 22 जून की रात को आरोपी दोबारा उसके दोस्त गगनदीप सिंह उर्फ चिब्बर के घर पहुंचे। आरोपियों ने गगनदीप सिंह उर्फ चिब्बर को बाहर निकालने की कोशिश की और घर में भारी तोड़फोड़ की। हमले के दौरान पीड़ित और उसके दोस्तों ने भागकर अपनी जान बचाई।

रंजिश का कारण : राजविंदर सिंह ने खुलासा किया कि हमले की मुख्य वजह पुरानी रंजिश है। आरोपी अजय गिल उसे किसी युवती के साथ रिश्ते को लेकर परेशान कर रहा था और बार-बार धमकी दे रहा था कि वह उस युवती से दूर हो जाए, वरना उसे इसका गंभीर परिणाम भुगतना पड़ेगा।

पुलिस की कार्रवाई : सिटी जगरांव पुलिस ने पीड़ित के बयानों पर मामला दर्ज कर लिया है और पुलिस का कहना है कि जल्द ही सभी नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

Uturn Time 25 June 2026_Layout 2 24-06-2026 23:34 Page 11

जीरकपुर-डेराबस्सी रोड पर ठेके के बाहर सरेआम शराबखोरी, लोगों ने उठाई कार्रवाई की मांग

ठेके के बाहर खुले आम पैग लगाने से राहगीरों और परिवारों को हो रही परेशानी, आबकारी व पुलिस विभाग की निगरानी पर उठे सवाल

जीरकपुर/यूटर्न/24 जून। जीरकपुर-डेराबस्सी रोड पर स्थित एक शराब ठेके के बाहर देर शाम से लेकर रात तक खुलेआम शराब पीने का सिलसिला जारी है। ठेके के बाहर सड़क किनारे और पार्किंग क्षेत्र में लोग सरेआम शराब का सेवन करते देखे जा सकते हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह स्थिति पिछले काफी समय से बनी हुई है, लेकिन जिम्मेदार विभागों की ओर से कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही।

स्थानीय निवासियों के अनुसार ठेके से शराब खरीदने वाले कई लोग वहीं बाहर खड़े होकर या वाहनों के पास बैठकर शराब पीते हैं। इससे न केवल सार्वजनिक स्थानों पर कानून व्यवस्था प्रभावित हो रही है, बल्कि महिलाओं, बच्चों और राहगीरों को भी असहज स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। कई बार शराब के नशे में लोग सड़क पर ऊंची आवाज में बातचीत, झगड़े और अभद्र व्यवहार करते देखे जाते हैं।

लोगों का कहना है कि सार्वजनिक स्थान पर शराब पीना नियमों के खिलाफ है, इसके बावजूद खुलेआम शराबखोरी जारी है। शाम के समय जब कार्यालयों से लौटने वाले कर्मचारी और परिवार इस मार्ग से गुजरते हैं तो उन्हें असुविधा का सामना करना पड़ता है। स्थानीय नागरिकों ने पुलिस और आबकारी विभाग से नियमित निरीक्षण कर ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

क्षेत्र के व्यापारियों का कहना है कि सड़क किनारे शराब पीने वालों के कारण आसपास के प्रतिष्ठानों की छवि भी प्रभावित हो रही है। कई ग्राहक परिवार के साथ आने से कतराने लगे हैं। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि सार्वजनिक स्थलों पर शराब सेवन करने वालों के चालान काटे जाएं और ठेका संचालकों को भी नियमों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जाएं।

लोगों की राय

शाम के समय यहां से परिवार के साथ निकलना मुश्किल हो जाता है। कई लोग ठेके के बाहर ही शराब पीते रहते हैं। प्रशासन को नियमित कार्रवाई करनी चाहिए।

–राजेश कुमार, स्थानीय निवासी

'ठेके के बाहर खुलेआम शराबखोरी से आसपास का माहौल खराब होता है। ग्राहक भी असहज महसूस करते हैं। कई बार नशे में लोग विवाद करने लगते हैं।'

–सुनील शर्मा, दुकानदार

'सार्वजनिक स्थान पर शराब पीना कानूनन गलत है। यदि पुलिस समय-समय पर जांच करे तो इस पर रोक लग सकती है।'

–मनीष वर्मा, राहगीर

छात्रों से संवाद, शिक्षा व्यवस्था और पेपर लीक पर हुई चर्चा

कोटा में राहुल गांधी के कार्यक्रम की तर्ज पर आयोजित हुआ संवाद, विद्यार्थियों ने रखे अपने सवाल

डेराबस्सी/यूटर्न/24 जून। राजस्थान के कोटा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा छात्रों के साथ किए गए संवाद कार्यक्रम की तर्ज पर बुधवार को डेराबस्सी में विद्यार्थियों के साथ विशेष संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं, उनके अभिभावकों और कोचिंग संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

पंजाब कांग्रेस के प्रवक्ता एवं डेराबस्सी से कांग्रेस नेता अमित बावा सैनी की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में शिक्षा व्यवस्था, प्रतियोगी परीक्षाओं, पेपर लीक की घटनाओं और युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम को पूरी तरह गैर-राजनीतिक स्वरूप दिया गया और इसमें किसी राजनीतिक दल या चुनावी विषय पर चर्चा नहीं की गई।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय सचिव एवं पंजाब सह-प्रभारी हिना कावरे ने छात्रों से सीधा संवाद किया। उन्होंने कहा कि देश में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, लेकिन युवाओं को बेहतर अवसर, संसाधन और सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराना सरकार और व्यवस्था की जिम्मेदारी है। उन्होंने छात्रों को तनावमुक्त रहकर अपनी

प्रतिभा को निखारने की सलाह दी। अमित बावा सैनी ने कहा कि वर्तमान शिक्षा प्रणाली चयन से अधिक अस्वीकृति आधारित होती जा रही है। उन्होंने पेपर लीक जैसी घटनाओं पर चिंता जताते हुए कहा कि इससे लाखों युवाओं के सपनों पर असर पड़ता है। उन्होंने युवाओं के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और डेटा रिसर्च जैसे आधुनिक क्षेत्रों में अधिक अवसर उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने प्रतियोगी परीक्षाओं, रोजगार, शिक्षा के बढ़ते दबाव और करियर से जुड़े कई प्रश्न भी रखे, जिनका विशेषज्ञों और अतिथियों ने जवाब दिया।

इस अवसर पर पंजाब कांग्रेस के प्रवक्ता हरदीप किंगरा, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष मनोज शर्मा, महासचिव परवीन माखीजा, विक्रम राणा, प्रवक्ता मनप्रीत सैदपुरा, पार्षद मुनीश कुमार सैनी, महिला कांग्रेस की प्रदेश महासचिव बृजिंदर कौर राय, जिला उपाध्यक्ष रेणु नेहरू, विधानसभा अध्यक्ष किरण माखीजा, ब्लॉक अध्यक्ष रेणु गुप्ता तथा युवा कांग्रेस के परमवीर राणा सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

IDFC बैंक मामले में सीबीआई की बड़ी कार्रवाई, हरियाणा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का कर्मचारी चार दिन के रिमांड पर

पंचकूला/यूटर्न/24 जून। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक से जुड़े कथित वित्तीय अनियमितता मामले की जांच कर रही केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के एक कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सौरभ शर्मा के रूप में हुई है, जो बोर्ड के अकाउंट्स सेक्शन में कार्यरत बताया जा रहा है। गिरफ्तारी के बाद सीबीआई ने आरोपी को पंचकूला स्थित विशेष अदालत में पेश किया। अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सौरभ शर्मा को चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया, ताकि जांच एजेंसी उससे विस्तृत पूछताछ कर सके। सूत्रों के मुताबिक, सीबीआई यह जांच कर रही है कि कथित वित्तीय अनियमितताओं में धन के लेनदेन, हस्तांतरण और उपयोग की प्रक्रिया में आरोपी की क्या भूमिका रही। एजेंसी यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि मामले में अन्य अधिकारी या कर्मचारी भी शामिल थे या नहीं। जांच एजेंसी को उम्मीद है कि रिमांड के दौरान पूछताछ से वित्तीय लेनदेन से जुड़े कई महत्वपूर्ण तथ्यों का खुलासा हो सकता है। मामले में दस्तावेजों और बैंक रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है। सीबीआई फिलहाल पूरे मामले की विभिन्न पहलुओं से पड़ताल कर रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सबसे ज्यादा सर्च की जाने वाली एक्ट्रेस बनी नोरा फतेही हाल ही में विश्व कप के मंच पर

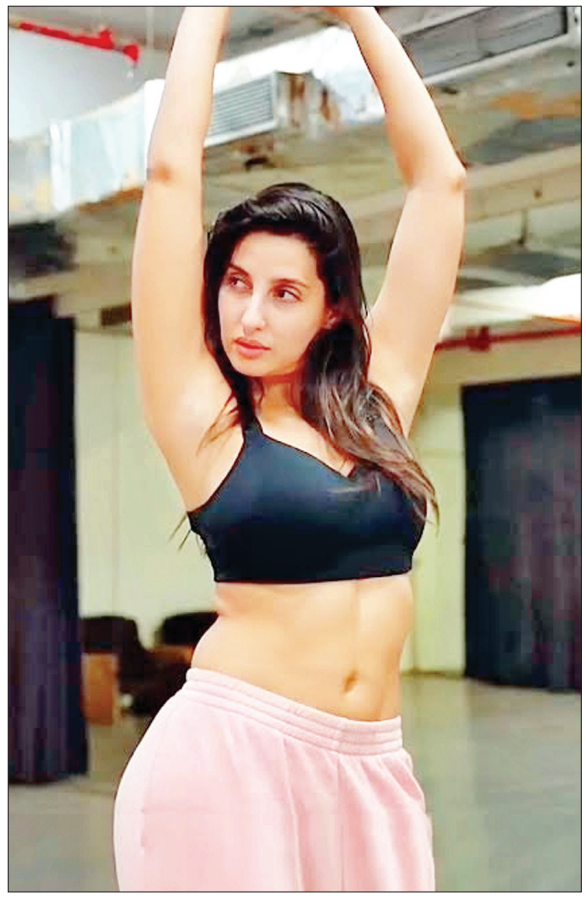

बॉलीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही ने फीफा (एफआईएफए) अपनी शानदार परफॉर्मेंस के बाद एक नया रिकॉर्ड कायम किया है, जिसने उन्हें दुनियाभर में सबसे ज्यादा सर्च की जाने वाली बॉलीवुड एक्ट्रेस बना दिया है। नोरा फतेही ने अपनी कला और ग्लैमर से वैश्विक दर्शकों का दिल जीतने के बाद यह बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है, जिसने उनकी लोकप्रियता को एक नए शिखर पर पहुंचा दिया है। फीफा के मंच पर नोरा का जादू कुछ ऐसा चला कि उन्होंने लोकप्रियता के मामले में कई दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया।

Uturn Time 25 June 2026_Layout 2 24-06-2026 23:34 Page 12

बिना इंजीनियरिंग डिग्री और MBA के: कुणाल शाह कैसे WhatsApp के टॉप पर पहुँचे

चंडीगढ़/यूटर्न/23 जून। WhatsApp के चीफ एग्जीक्यूटिव के तौर पर कुणाल शाह की नियुक्ति ने टेक्नोलॉजी की दुनिया में एक पुरानी बहस को फिर से छेड़ दिया है: क्या किसी ग्लोबल टेक्नोलॉजी कंपनी को लीड करने के लिए सच में इंजीनियरिंग डिग्री की जरूरत होती है?

सालों से, सिलिकॉन वैली में कंप्यूटर साइंस, इंजीनियरिंग या बड़े बिजनेस स्कूलों से पढ़े-लिखे फाउंडर्स और एग्जीक्यूटिव्स को ही अहमियत दी जाती रही है। शाह का सफर इस ढर्रे को तोड़ता है। फिलॉसफी में ग्रेजुएट और MBA प्रोग्राम बीच में ही छोड़ने वाले शाह, लीडरशिप के एक अलग ही मॉडल का प्रतिनिधित्व करते हैं—एक ऐसा मॉडल जो एंटरप्रेन्योरशिप, प्रोडक्ट की समझ और इंसानी व्यवहार को समझने की काबिलियत पर बना है।

टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री के स्टैंडर्ड्स के हिसाब से शाह की पढ़ाई-लिखाई का बैकग्राउंड अलग तरह का है। पैसों की तंगी की वजह से इंजीनियरिंग न कर पाने के कारण, उन्होंने मुंबई के विल्सन कॉलेज में फिलॉसफी में बैचलर ऑफ आर्ट्स प्रोग्राम में एडमिशन लिया। बाद में उन्होंने MBA कोर्स भी शुरू किया, लेकिन उसे पूरा करने से पहले ही छोड़ दिया। ऐसे देश में जहाँ एकेडमिक क्वालिफिकेशन अक्सर प्रोफेशनल मौकों को तय करती हैं, ऐसे करियर पाथ को आम तौर पर नुकसानदेह माना जाता।

फिर भी, शाह का करियर बताता है कि टेक्नोलॉजी सेक्टर में, खासकर सबसे ऊँचे लेवल पर, फॉर्मल क्वालिफिकेशन सिर्फ एक हिस्सा हैं। फिलॉसफी, जो शाह का विषय था, टेक्नोलॉजी से अलग लग सकता है। हालाँकि, यह विषय असल में इंसानी व्यवहार, फैसले लेने की प्रक्रिया, इंसेंटिव और सामाजिक बातचीत को समझने से जुड़ा है—ये सभी कंज्यूमर प्रोडक्ट्स बनाने में बहुत जरूरी चीजें हैं।

सफल टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म सिर्फ इंजीनियरिंग की कामयाबी नहीं होते; वे इंसानी आदतों के हिसाब से डिजाइन किए गए सिस्टम होते हैं।

यह समझ शाह के एंटरप्रेन्योरशिप के सफर के दौरान साफ तौर पर दिखी। उनका पहला बड़ा वेंचर, FreeCharge, इसलिए सफल नहीं हुआ कि उसने कोई क्रांतिकारी टेक्नोलॉजी पेश की, बल्कि इसलिए सफल हुआ क्योंकि उसने कंज्यूमर के व्यवहार को समझा और रिवॉर्ड और कैशबैक के जरिए यूजर्स को प्रोत्साहित किया। ऐसे समय में जब भारत में डिजिटल पेमेंट शुरूआती दौर में ही था, शाह ने समझा कि इसे अपनाना टेक्नोलॉजी के साथ-साथ साइकोलॉजी पर भी निर्भर करता है।

FreeCharge की बिक्री ने शाह को भारत के प्रमुख स्टार्टअप एंटरप्रेन्योर्स में से एक के तौर पर स्थापित किया। कंपनी से बाहर निकलने के बाद रिटायर होने के बजाय, उन्होंने स्टार्टअप्स में निवेश करना जारी रखा और अलग-अलग सेक्टर, बिजनेस मॉडल और उभरती हुई टेक्नोलॉजी को समझा। जब उन्होंने उफ्एऊकी शुरूआत की, तो उनका यह व्यापक नजरिया बहुत काम आया।

CRED की सफलता ने एक बार फिर शाह की ताकत को साबित किया: व्यवहार के पैटर्न को पहचानना। कंपनी का मुख्य आधार—आर्थिक रूप से अनुशासित कंज्यूमर्स को रिवॉर्ड देना—कोड लिखने के बजाय इंसेंटिव को समझने पर बना था। शाह के नेतृत्व में, यह प्लेटफॉर्म लेंडिंग, पेमेंट, कॉमर्स और वेल्थ प्रोडक्ट्स के क्षेत्र में फैला। इससे अलग-अलग क्षेत्रों में बिजनेस बनाने और उन्हें बड़ा करने की उनकी काबिलियत का पता चलता है।

आजकल की टेक्नोलॉजी कंपनियाँ ऐसी काबिलियतों को ज्यादा अहमियत देती हैं। जैसे-जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म बड़े होते हैं, चुनौती सिर्फ टेक्नोलॉजी में नयापन लाने की नहीं होती, बल्कि यूजर्स को समझने, टिकाऊ बिजनेस मॉडल बनाने और भविष्य में ग्रोथ के मौकों को पहचानने की भी होती है। प्रोडक्ट विजन, रणनीतिक सोच और लीडरशिप अब उतनी ही जरूरी हो गई हैं जितनी कि टेक्निकल जानकारी।

यह बात WhatsApp के लिए खास तौर पर सही है। प्लेटफॉर्म पर पहले से ही अरबों यूजर्स हैं, इसलिए ग्रोथ का अगला चरण शायद सिर्फ इंजीनियरिंग की नई खोजों पर निर्भर नहीं करेगा। इसके बजाय, इसमें कमाई के जरिया बढ़ाना, बिजनेस सर्विसेज, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को जोड़ना और रेवेन्यू के नए रास्ते बनाते हुए यूजर्स का भरोसा बनाए रखना शामिल होगा। ये ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ कोडिंग की काबिलियत से ज्यादा एंटरप्रेन्योरशिप का अनुभव और प्रोडक्ट के बारे में सोचने का नजरिया मायने रख सकता है।

आजकल टेक्नोलॉजी कंपनियाँ मिलकर काम करने पर भी ज्यादा जोर देती हैं। CEO से यह उम्मीद नहीं की जाती कि वे खुद सॉफ़्टवेयर लिखें। वे इंजीनियरों, डिजाइनरों, रिसर्चर्स और प्रोडक्ट मैनेजरों की टीमों पर निर्भर रहते हैं। उनकी मुख्य भूमिका दिशा तय करना, रणनीतिक फैसले लेना और तेजी से बदलते डिजिटल माहौल में यूजर्स के व्यवहार का अंदाजा लगाना होती है।

इसलिए, शाह का आगे बढ़ना टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री में आए एक बड़े बदलाव को दिखाता है।

लीडरशिप अब सिर्फ उन लोगों तक सीमित नहीं है जिनके पास पारंपरिक टेक्निकल योग्यताएँ हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और प्लेटफॉर्म इकॉनमी के दौर में, कंपनियाँ ऐसे लीडर्स की तलाश कर रही हैं जो बिजनेस की समझ, कंज्यूमर की जरूरतों की जानकारी और दूर की सोच को एक साथ ला सकें।

कुणाल शाह का सफर यह दिखाता है कि भले ही टेक्निकल जानकारी जरूरी है, लेकिन उत्सुकता, हालात के हिसाब से ढलने की काबिलियत और लोगों को समझने की क्षमता भी टेक्नोलॉजी की दुनिया में टॉप पर पहुँचने के लिए उतनी ही ताकतवर खूबियाँ हो सकती हैं।

जातिसूचक टिप्पणी विवाद: SC आयोग के समक्ष पेश हुए रवनीत बिट्टू, धार्मिक स्थलों पर मत्था टेकने की सलाह

चंडीगढ़/यूटर्न/24 जून। केंद्रीय रेल राज्य मंत्री और भाजपा नेता रवनीत सिंह बिट्टू बुधवार को जातिसूचक टिप्पणी से जुड़े मामले में पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग के समक्ष पेश हुए। सुनवाई के दौरान उन्होंने आयोग के सामने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि विवाद के दौरान उनके मुंह से निकले कुछ शब्द कानूनी रूप से गलत थे और इसके लिए वह पहले ही सार्वजनिक तौर पर माफी मांग चुके हैं।

आयोग के अध्यक्ष जसवीर सिंह गढ़ी ने सुनवाई के दौरान सामाजिक सद्भाव और भाईचारे का संदेश देने के उद्देश्य से बिट्टू को चार प्रमुख धार्मिक और सामाजिक स्थलों पर जाकर श्रद्धा प्रकट करने की सलाह दी। इनमें श्री हरिमंदिर साहिब (अमृतसर), डेरा बल्लां (जालंधर), राम तीर्थ स्थल (अमृतसर) और डॉ. भीमराव अंबेडकर से जुड़े फिल्लौर स्थित स्मारक शामिल हैं। सुनवाई के दौरान बिट्टू ने कहा कि घटना वाले दिन परिस्थितियां बेहद तनावपूर्ण थीं। उन्होंने बताया कि भाजपा नेता ओंकार सिंह को हिरासत में लिए जाने की सूचना मिलने के बाद वह विभिन्न पुलिस अधिकारियों के संपर्क में रहे और इस दौरान कई स्थानों पर तीखी बहस और तनावपूर्ण स्थिति बनी।

वांटेड आरोपी को छुड़वाने आई पुलिस पर हमला, पति-पत्नी समेत 15 के खिलाफ केस दर्ज

पंजाब/यूटर्न/24 जून। पंजाब के अबोहर में वांटेड आरोपी को पकड़ने आई राजस्थान के संगरिया थाने की टीम पर हमला कर दिया गया। ग्रामीणों ने पुलिस के साथ धक्का-मुक्की और हाथापाई कर आरोपी को छुड़ा लिया। इस मामले में बहाववाला थाना पुलिस ने पति-पत्नी सहित 3 नामजद और 12 अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार, संगरिया थाने में दर्ज एक आपराधिक मामले में अजीत सिंह और पवन कुमार उर्फ काली वांछित था। एएसआई जसकरण सिंह के नेतृत्व में राजस्थान पुलिस की एक टीम को सूचना मिली थी कि पवन कुमार उर्फ काली पंजाब के गांव कंधवाला अमरकोट में छिपा हुआ है। इसी सूचना पर पुलिस टीम गांव पहुंची और उसकी तलाश शुरू की। पुलिस की जांच के दौरान पता चला कि पवन कुमार गांव निवासी राजकुमार उर्फ राजू की वर्कशॉप पर मौजूद था। जब पुलिस टीम ने उसे हिरासत में लेने का प्रयास किया, तो राजकुमार और उसकी पत्नी ने इसका विरोध किया। आरोप है कि दोनों ने पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की की और शोर मचाकर अन्य ग्रामीणों को भी मौके पर बुला लिया। जिसके बाद पुलिस के साथ मारपीट की।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma
तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।
Contact - +91 9814295372